केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 222 रविवार 9 मार्च 2025 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

सभी क्षेत्रों में प्रगति कर रही हैं महिलायें – नीलम सिंह

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। नगर पंचायत नगर द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस आयोजित किया गया। क्षेत्र की 15 महिलाओं को मुख्य अतिथि अध्यक्ष नीलम सिंह राना द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर श्रीमती राना ने कहा कि महिलाएं विभिन्न क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर रही हैं। समाज के अन्तिम पायदान से आने वाली द्रोपदी मुर्मू आज भारत की महामहिम राष्ट्रपति हैं। आज महिलाएं फाइटर प्लेन उड़ाने से लेकर अंतरिक्ष यात्रा में भी अग्रणी है। उन्होंने सभी को स्मृति चिन्ह और अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया। पूर्व ब्लॉक प्रमुख राना दिनेश प्रताप सिंह ने कहा कि गांव सभा से लेकर लोक सभा तक भारत में महिलाओं का डंका बज रहा है। विधायिका में तैंतीस प्रतिशत आरक्षण लागू होने के बाद महिलाओं की भागीदारी लगभग बराबर हो जाएगी। उन्होंने महिलाओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होकर समाज में अपनी उपयोगिता सिद्ध करने की अपील किया। गरीब विद्यार्थियों को निःशुल्क ऑनलाइन क्लास चलाने वाली आकांक्षा पाण्डेय ने अपने संघर्ष की कहानी बताते हुए सभी को अपने लक्ष्य के प्रति सजग रहने की अपील किया। सम्मानित होने वालों में मीरा देवी, अरुंधती यादव, मिथलेश, श्याम कली, कृष्णावती, बिमला देवी, मीरा, पूर्णिमा शुक्ला, मनीषा द्विवेदी, आकांक्षा पाण्डेय, शालू देवी, रीता देवी, ममता देवी, सावित्री देवी शामिल हैं। कार्यक्रम का संचालय अटल बिहारी उपाध्याय ने लिया। समारोह में सभासद राज कुमार चौधरी, विंदू लाल, संजय सोनकर, डॉ प्रमोद सिंह,अम्बिका प्रसाद पाण्डेय, विंदेश्वरी प्रसाद मिश्र, कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय की वार्डेन नीलम पाण्डेय, राकेश पाण्डेय सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम को विमला देवी, मीना पाण्डेय, प्रमोद त्रिपाठी ने भी संबोधित किया।

विश्व महिला दिवस पर विमर्श

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। विश्व महिला दिवस के अवसर पर डा. श्यामा प्रसाद इण्टर कालेज जिगना में आयोजित कार्यक्रम में प्रधानाचार्य सुजीत कुमार ने छात्राओ से कहा कि स्वस्थ चिन्तन महिलाओं को महान बनाता है। आज मोदी और योगी की देखरख में अनेक कल्याणकारी योजनाएं चल रही है ,हमें उसका लाभ लेना ओर दूसरों को जागरूक भी करना चाहिए।

कहा कि महिला जागरूकता व शिक्षा के प्रबल पैरोकार डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने कहा था महिलाएं धरती की जीवंत देवता व शक्ति स्वरूपा हैं। इनके सम्मान से देश ओर समाज सुरक्षित हो सकता है। दो कुलो को जोड़ने ,तारने का काम शक्ति स्वरूपा नारी ही कर सकती है। अब नारी सबला है।

कार्यक्रम में संतोष कुमार धर द्विवेदी, कुमारी प्रतिभा भारती, कुमारी कंचन सहायक, लीलावती, दुर्गावती, ज्ञानमती, श्रीमती इंद्रावती के साथ ही विद्यालय की छात्रा सुरभी सिंह, सुहानी शुक्ला, शालिनी यादव, रितिक यादव, मानसी गौतम, छात्र, राज, अजय,, हिमांशु यादव, गौतम, आदि उपस्थित रहे।

इनामी संदिग्ध आतंकी गिरफ्तार

मुरादाबाद (आभा)। यूपी एटीएस को एक और बड़ी सफलता मिली है। सहारनपुर फील्ड यूनिट और मुरादाबाद पुलिस की संयुक्त टीम ने हिजबुल मुजाहिद्दीन के फरार संदिग्ध आतंकी उल्फत हुसैन को जम्मू कश्मीर से गिरफ्तार कर लिया है। वह 2008 में जमानत पर जेल से आने के बाद से फरार चल रहा था। उसकी गिरफ्तारी पर 25 हजार का इनाम घोषित था। आरोपी संदिग्ध आतंकी मुरादाबाद के असालतपूरा की मस्जिद में रह कर नेटवर्क चला रहा था।

कटघर थाना पुलिस ने 2002 में एक आतंकी नेटवर्क का खुलासा किया था। उसमें मुख्य आरोपी उल्फत हुसैन उर्फ मोहम्मद सैफुल इस्लाम उर्फ अफजाल उर्फ परवेज उर्फ हुसैन मलिक, निवासी फजलाबाद, सूरनकोट, पुंछ (जम्मू–कश्मीर) का रहने वाला था। उस समय उसके कब्जे से भारी मात्रा में हथियार और विस्फोटक और हैंड ग्रेनेट बरामद किया गया था। इस मामले में उल्फत हुसैन के खिलाफ 307 आईपीसी, आर्म्स एक्ट, पोटा और क्रिमिनल लॉ एक्ट के तहत मुकदमे दर्ज किए गए थे। उसे साल 2008 में जमानत मिली थी जिसके बाद वह फरार ही गया था।

वारंट जारी करने के बाद 2015 में उसके खिलाफ कोट ने स्थायी गिरफ्तारी वारंट जारी कर फरार घोषित कर दिया था। दो मार्च को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने उस पर 25 हजार का इनाम घोषित किया था। जिसके बाद से पुलिस उसकी तलाश तेज जार दी थी। पुलिस ने अनुसार आरोपी उल्फत हुसैन ने 1999–2000 में पाक अधिकृत काश्मीर में जाकर हिजबुल मुजाहिद्दीन के टेरर कैम्प में आतंकी ट्रेनिग लिया था। उसके बाद वह अपने गांव वॉयस आ गया था। आतंकी ट्रेनिंग ली थी। इसके बाद वह 2000 में दोबारा मुरादाबाद आ गया था। एटीएस सहारनपुर और मुरादाबाद पुलिस की टीम ने तकनीकी और खुफिया जानकारी के आधार पर उसे जम्मू–कश्मीर के पुंछ जिले से गिरफ्तार किया।

कांग्रेस नेताओं ने किया सांसद तनुज पुनिया का स्वागत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शनिवार को अनूसूचित जाति विभाग के जिलाध्यक्ष एवं महादेवा से कांग्रेस के पूर्व प्रत्याशी बृजेश कुमार आर्य के नेतृत्व में पार्टी नेताओं, कार्यकर्ताओं, कांग्रेस जिलाध्यक्ष ज्ञानेन्द्र पाण्डेय आदि ने सांसद तनुज पुनिया का टोल प्लाजा के निकट फूल मालाओं के साथ स्वागत किया।

स्वागत के बाद कांग्रेस कमेटी अनुसूचित जाति विभाग के प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद तनुज पुनिया ने कहा कि जमीनी धरातल पर कांग्रेस संगठन की मजबूती से ही उत्तर प्रदेश में राजनीतिक और सामाजिक परिवर्तन हो सकेगा। सांसद पुनिया ने कहा कि यूपी में गरीब, दलित, अल्पसंख्यक समाज के लोग चौतरफा उत्पीड़न के शिकार हो रहे हैं। पार्टी कार्यकर्ता उन्हें न्याय दिलाने की दिशा में पहल करें। कांग्रेस के पूर्व प्रत्याशी बृजेश कुमार आर्य ने सांसद तनुज पुनिया को बस्ती जनपद के राजनीतिक परिदृश्य के बारे में विस्तार से जानकारी दी। बताया कि थाना, तहसील और अस्पतालों में गरीबों, दलितों की सुनवाई नहीं हो रही है। उत्पीड़न के गंभीर मामलों पर भी तंत्र पूरी तरह ये चुप है। सांसद तनुज पुनिया का स्वागत करने वालों में सिद्धार्थ नगर जिला अध्यक्ष काजी सुहेल, अहमद, गिरिजेश पाल, अनिल भारती, कुशल त्रिपाठी, विश्वनाथ चौधरी, आलोक रंजन, जयंत चौधरी, पिंटू मिश्रा, इं. राजबहादुर निषाद, अतिउल्लाह सिद्दीकी, चंद्रशेखर वर्मा,मुकेश कनौजिया, नवीन कनौजिया, रमेश चौधरी, अंकित कुमार, नितिन कुमार सोनकर, अवधेश सिंह, रामबचन, मंजू पाण्डेय, शकुंतला देवी, रितेश पाण्डेय, आरिफ, पंकज गौतम, सर्वेश शुक्ला, गुड्डू सोनकर , राम पराग चौधरी, राज कपूर , मुस्ताक अली, संदीप श्रीवास्तव, सोमनाथ संत, गंगा प्रसाद मिश्रा, यशराज कनौजिया के साथ ही कांग्रेस के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता शामिल रहे।

विश्व महिला दिवस पर कांग्रेस नेत्री मंजू पाण्डेय ने किया फल, शैक्षणिक सामग्री का वितरण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शनिवार को विश्व महिला दिवस के अवसर पर उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी श्रम प्रकोष्ठ की प्रदेश महासचिव एवं महिला कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष मन्जू पाण्डेय ने नगर पंचायत गनेशपुर में महिलाओं से सीधा संवाद बनाया और फल, मिष्ठान, टाफी, बिस्कुट व छात्रों में शिक्षण सामग्रियों का वितरण किया। कहा कि महिला सुरक्षा सम्मान व स्वाभिमान के लिए उनका संघर्ष लगातार जारी रहेगा।

कांग्रेस नेत्री मंजू पाण्डेय ने महिलाओं से उनकी स्थिति के बारे में चर्चा किया। प्रेस को जारी विज्ञप्ति के माध्यम से मंजू पाण्डेय ने कहा कि यूपी में गरीब, दलित, अल्पसंख्यक महिलाओं की स्थिति दयनीय है और उनके साथ हो रहे गंभीर उत्पीड़न, दुराचार आदि के मामलों में भी उन्हें त्वरित न्याय नहीं मिल पा रहा है। उन्होने महिलाओं का आवाहन किया कि वे कांग्रेस को मजबूती दें जिससे प्रदेश में महिलाओं का सम्मान बढे और उन्हें बेहतर वातावरण, रोजगार के अवसर मिल सके। विश्व महिला दिवस पर सम्पर्क के दौरान मंजू पाण्डेय के साथ किशलावती, पूनम, रोशनी, मनीषा, सरोज के साथ ही अनेक महिलायें शामिल रहीं।

विश्व महिला दिवस पर 17 ने किया रक्तदान

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शनिवार को विश्व महिला दिवस के अवसर पर रेड क्रास सोसायटी के पूर्व सचिव, बादशाही अखाड़ा के संस्थापक कुलवेन्द्र सिंह 'मजहबी' और जाक्शन 'इन्फ्रास्ट्रक्चर' की ओर से टोल प्लाजा के निकट रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 17 लोगों ने रक्तदान किया।

रेड क्रास सोसायटी के पूर्व सचिव कुलवेन्द्र सिंह 'मजहबी' ने कहा कि विश्व महिला दिवस पर रक्तदान के द्वारा दूसरों के प्राण रक्षा की पहल यह संदेश देता है कि संकट में हमें एक दूसरे के काम आना चाहिये।

रक्तदान करने वालों में शिबू मिश्रा, अजय सिंह चौहान, नितिश सिंह, पियूष यादव, प्रदीप कुमार, निरंजन कुमार, विवेक मुस्कान, उमाशंकर,शेर बहादुर सिंह,सौरभ श्रीवास्तव,रवी सिंह, अजय कुमार सिंह, अभिषेक सिंह, अभिनन्दन सिंह, धर्मेंद्र कुमार कुशवाहा,और राजाराम शामिल रहे।

जिला चिकित्सालय के डा. दीपक श्रीवास्तव, डा. विजय वर्मा, कीर्ति आनन्द, अनराुधा सिंह, अंजू सिंह, अभिषेक, मु. इमरान, राकेश भारती की देख रेख में 17 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। शिविर में अजय तिवारी विकास यादव आदि ने योगदान दिया।

गन्ना किसानों का बकाया दिलाने की मांगः राजन ने मुख्यमंत्री को भेजा पत्र

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। विश्व ज्ञान क्रान्ति के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजन चौधरी ने मुख्यमंत्री को रजिस्टर्ड पत्र देकर प्रदेश में गन्ना किसानों का किया जा रहा शोषण बंद कराकर पुराना बकाया व्याज समेत भुगतान कराये जाने की मांग किया है।

पत्र में राजन चौधरी ने कहा है कि गन्ने को किसानों का दूसरा बेटा माना जाता है किन्तु सरकार ने गन्ने के मूल्य में कोई वृद्धि नहीं की गई। वहीं दूसरी ओर डीजल, मजदूरी, खाद, सिंचाई आदि की लागत में कई गुना वृद्धि हुई है। मांग किया कि गन्ने का मूल्य कम से कम एक हजार रूपया प्रति क्विंटल किया जाना न्याय संगत होगा।

मुख्यमंत्री को भेजे पत्र में कहा गया है कि बस्ती और वाल्टरगंज चीनी मिल बंद हो गई किन्तु श्रमिकों और गन्ना किसानों का भुगतान अभी तक अधर में है। कहा कि प्रदेश सरकार किसान हितों की बात तो करती है किन्तु जमीनी धरातल पर यह कड़वी सच्चाई है कि किसानों को अपने उत्पाद का उचित मूल्य नहीं मिल पा रहा है, यही कारण है कि किसान बदहाली के शिकार है।

स्वावलंबी महिलाओं को सम्मानित कर बढाया हौसला

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। भाजपा कार्यालय में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर एक भव्य जिला स्तरीय समारोह आयोजित किया गया, जिसमें विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत स्वावलंबी महिलाओं को विशेष सम्मान दिया गया। साथ ही आयी हुई सभी महिलाओं को हेलमेट भी वितरित किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व भाजपा जिलाध्यक्ष विवेकानंद मिश्र ने किया, जबकि मुख्य अतिथि अशोक सिंह रहे।

समारोह में डॉ. रोली सिंह, नीलम सिंह, निलोफर उस्मानी, डॉ. नीलम सिंह, डॉ. प्रियंका सिंह, अनुराधा उपाध्याय, गरिमा सिंह, कंचन शुक्ल, उजराना सिद्दीकी, रेखा चित्रांश, दुर्गावती चौधरी, सुनीता यादव सहित कई विशिष्ट महिलाओं ने अपने विचार रखे और समाज में महिलाओं की भूमिका पर प्रकाश डाला।

मुख्य अतिथि अशोक सिंह ने महिलाओं की उपलब्धियों की सराहना करते हुए कहा, 'हर क्षेत्र में महिलाएं देश को गौरवान्वित कर रही हैं। नारी का त्याग, प्रेम, धैर्य और संवेदनशीलता उसकी पहचान है। हमारी संस्कृति में सदैव महिलाओं का सम्मान किया गया है।

जिलाध्यक्ष विवेकानंद मिश्र ने कहा कि भाजपा सरकार महिला सशक्तिकरण के लिए लगातार प्रयासरत है। ब्जट में महिलाओं के लिए विशेष प्रावधान किए गए हैं और 'लखपति दीदी योजना' का दायरा बढ़ाया गया है, ताकि महिलाएं आत्मनिर्भर बन सकें।

कार्यक्रम का संचालन शालिनी मिश्र ने किया। इस अवसर पर विधायक अजय सिंह, पूर्व जिलाध्यक्ष पवन कसौधन, सुशील सिंह, गोपेश्वर त्रिपाठी, दयाराम चौधरी, रवि सोनकर, गजेन्द्र सिंह, चंद्रशेखर मुन्ना, अमृत कुमार वर्मा, कुंवर आनन्द सिंह, ममता सिंह, नीलम गौड़, अनीता अग्रहरी, अंकित पाण्डेय, सुजीत सोनी, गौरव अग्रवाल, गौरव मणि त्रिपाठी, प्रदीप निषाद, रवि तिवारी, गंगेश सिंह, दिलीप भट्ट, शिव चरन जायसवाल सहित सैकड़ों की संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं।

पत्रकार की दिन दहाड़े हत्या से सनसनी

सीतापुर (आभा)। जिले में एक पत्रकार दिनदहाड़े हत्या से सनसनी फैल गई। घटना के दौरान पत्रकार अपने क्षेत्र में निकला था। हमलावर पहले से घात लगाए बैठे थे। जैसे ही पत्रकार को बाइक पर देखा तो अपनी गाड़ी से टक्कर मार कर गिरा दिया, इसके बाद बीच सड़क पर गोलियों से भून डाला और फिर फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार महोली कस्बे के रहने वाले राघवेंद्र बाजपेई पेशे से पत्रकार हैं। वह एक हिंदी समाचार पत्र के साथ लंबे समय से जुड़े हैं। शनिवार की दोपहर को राघवेंद्र किसी काम से बाइक पर क्षेत्र में निकले थे। जैसे ही वह इमलिया सुल्तानपुर थाना क्षेत्र के ओवरब्रिज के पास पहुंचे तो पहले से घात लगाए हमलावरों ने उन्हें अपनी गाड़ी से टक्कर मारकर सड़क पर गिरा दिया। इसके बाद हमलावरों ने ताबड़तोड़ उन पर गोलियों से फायरिंग कर दी। पलभर में राघवेंद्र की मौत हो गई।

बोध गया महाविहार से अवैध अतिक्मण हटवाने की मांगः राष्ट्रपति को भेजा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । शनिवार को बुद्धिस्ट इंटरनेशनल नेटवर्क के जिला प्रभारी भन्ते प्रज्ञानन्द के नेतृत्व में राष्ट्रीय नेतृत्व के आवाहन पर बोध गया महाविहार मुक्ति आन्दोलन के तहत नायब तहसीलदार स्वाती सिंह के माध्यम से राष्ट्रपति को 7 सूत्रीय मांग पत्र भेजा गया।

भेजे ज्ञापन में कहा गया है कि महाबोधि महाविहार बौद्धों की विश्व धरोहर है, इस स्थान से अवैध कब्जों को हटवाया जाय, महाबोधि महाविहार के पास सम्राट अशोक का महल था, उसकी खोज कर बोध गया का इतिहास उजागर किया जाय।

ज्ञापन देने के बाद भन्ते प्रज्ञानन्द ने बताया कि बोध गया महाविहार मुक्ति आन्दोलन की कड़ी में समूचे देश में आन्दोलन किया जा रहा है। 8 मार्च को जिला मुख्यालयों पर प्रदर्शन के बाद यदि अवैध कब्जा न हटाया गया तो 22 मार्च को पुनः प्रदर्शन, 9 अप्रैल से देश व्यापी जेल भरो आन्दोलन के बाद 1 जुलाई को भारत बंद कराया जायेगा ।

बहुजन मुक्ति पार्टी के मण्डल अध्यक्ष हृदय गौतम, भारत मुक्ति मोर्चा जिलाध्यक्ष आर.के. आरटियन ने सरकार से आग्रह किया तत्काल प्रभाव से बोध गया महाविहार से अवैध अतिक्मण हटवाने के साथ ही इस प्रसिद्ध स्थान का सौन्दर्यीकरण कराने की पहल करे। अन्यथा की स्थिति में आन्दोलन जारी रहेगा।

ज्ञापन सौंपने वालों में मुख्य रूप से बुद्धेश राना, सरिता भारती, ई. महेन्द्र कुमार, प्रहलाद गौतम, सुनील कुमार कन्नौजिया, मेहीलाल गौतम, राम समुझ, सुग्रीव प्रसाद चौधरी, रामतेज भारती, भन्ते बुद्धिसागर, मनोज देवी, चन्द्रावती, अनीता, प्रर्मिला, अखिलेश्वरी, दयाराम बौद्ध, रामतीरथ, इन्दल, भिक्षुणी धम्म मित्रा, भिक्षु धम्म पाल, भिक्षु शील रतन, कुंवर भीम सिंह, पंचलाल आदि शामिल रहे।

विभागीय मनमानी के विरोध में निविदाओं का बहिष्कार करेंगे ठेकेदार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । शनिवार को ठेकेदार कल्याण समिति की बैठक अध्यक्ष शिवानन्द शुक्ल की अध्यक्षता में विकास भवन के निकट सम्पन्न हुई। बैठक में ठेकेदारों की समस्याओं पर गंभीरता से विचार के बाद निर्णय लिया गया कि मुख्य अभियन्ता गण्डक गोरखपुर की मनमानी के कारण ठेकेदार निविदाओं का बहिष्कार करेंगे।

बैठक को सम्बोधित करते हुये अध्यक्ष शिवानन्द शुक्ल ने कहा कि मुख्य अभियन्ता गण्डक गोरखपुर द्वारा निविदा की दरों में 15 प्रतिशत कार्टेज कम किये जाने और 16 प्रतिशत वाइड और साइड से डंपिग यार्ड का कैरेज काटा गया है। इसके साथ ही स्लोप पर जाली में पिचिंग का प्राविधान किया गया है। तार बिछा होने से जन धन के हानि की आशंका है। कहा कि जब तक ठेकेदारों की मांग पूरी नहीं की जाती ठेकेदार निविदाओं का बहिष्कार करेंगे।

ठेकेदार कल्याण समिति की बैठक में मुख्य रूप से राजेश पाल, दुर्गेश कुमार मिश्र, विपिन सिंह, प्रभात मिश्र, अखिलेश कुमार शुक्ल, देवेन्द्र पाण्डेय, धीरेन्द्र पाण्डेय, अश्विनी श्रीवास्तव, बब्लू तिवारी, प्रदीप कुमार पाण्डेय, बब्लू पाण्डेय, पंकज सिंह, धर्मेन्द्र सिंह, अनिल बरनवाल के साथ ही अनेक ठेकेदार शामिल रहे।

सदभावना साईकिल यात्रा 30 से

–हरीश पाल–

–भारतीय बस्ती –

बस्ती। हमारा देश अनेकों धर्मो समुदायों भाषाओं का देश है । इसे नेहरु ने अनेकता में एकता और इसे भारत के लम्बे समय तक बचे रहने का मुख्य कारण बताया था । इकबाल ने इसे ही इस शेर के माध्यम से इजहार किया कि 'कुछ बात है कि हस्ती मिटती नहीं हमारी, सदियों रहा है दौरे दुश्मन जहां हमारा '।

भारत के बचे रहने की मुख्य शर्त यही है कि यहाँ अलग अलग धर्मों और समुदायों के बीच आपसी सम्मान और प्रेम बना रहे । भारत एक सुन्दर बगिया की तरह है जिसमें अलग अलग पुष्प और चिड़ियाँ इसकी खूबसूरती में चार चाँद लगाते हैं ।

इस अनेकता में एकता और आपसी प्रेम को अनेकों संतों फकीरों ने हमेशा पैदल यात्राओं मिलना जुलना बातचीत गीत संगीत के माध्यम से बढ़ाया और मजबूत किया है । इसलिए हम भी भारत की संतों और फकीरों की प्रेरणा से एक साइकिल यात्रा भारत की सद्भावना को बल देने के लिए कर रहे हैं । सदभावना संस्थान द्वारा यह यात्रा महात्मा गाँधी की समाधि राजघाट से गांधी शाहदत दिवस 30 जनवरी को शुरू होगी तथा यह मगहर में संत कबीर की समाधि वहाँ से संत रैदास की समाधि काशी, वहाँ से महात्मा बुद्ध की समाधि कुशीनगर पर समाप्त होगी ।

यह यात्रा साईकिल पर की जायेगी । इसमें युवा सामाजिक कार्यकर्ता तथा इच्छुक व्यक्ति भी समय देंगे और शामिल रहेंगे ।

मण्डलीय कार्यशाला में दृष्टिबाधित युवाओं को दिया डिजिटल तकनीक की जानकारी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। विश्व महिला दिवस पर 'प्रेस क्लब सभागार, बस्ती' में 'शिक्षित युवा सेवा समिति' द्वारा 'इनेबल इंडिया' के सहयोग एवं मार्गदर्शन में दृष्टिबाधित युवाओं के लिए 'रीडिंग विदाउट सीइंग' अर्थात तकनीक के माध्यम से अपनी क्षमताओं का उपयोग करने हेतु एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में 'बस्ती' और 'गोरखपुर मण्डल के 30 दृष्टिबाधित युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यशाला में दृष्टिबाधित युवाओं को विभिन्न प्रकार की 'एडाप्टिव टेक्नोलॉजी' और 'ऐप्स' की जानकारी प्रदान की गई, जिससे वे बिना देखे तकनीक का उपयोग कर अपने पठन–पाठन और ज्ञान को बढ़ा सकें।

'इनेबल इंडिया' के प्रशिक्षक 'विनायक', 'सलाउद्दीन', जैनसी' और आशीष ने प्रतिभागियों को तकनीक के प्रयोग की विस्तृत जानकारी दी और उन्हें डिजिटल साक्षरता के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए 'शिक्षित युवा सेवा समिति' के निदेशक गोपाल कृष्ण अग्रवाल' ने सभी प्रतिभागियों को डिजिटल साक्षरता अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई)' जैसी आधुनिक तकनीकों के प्रयोग से दृष्टिबाधित युवा न केवल अपने ज्ञान को बढ़ा सकते हैं, बल्कि दैनिक जीवन की आवश्यकताओं को भी सरलता से पूरा कर सकते हैं। इस अवसर पर दृष्टिबाधित युवाओं में 'अमर सिंह', 'राकेश सोनी', 'फरीदा खातून', 'मोनू प्रजापति', ''रामू मिश्रा'', 'पिंकी', 'शिल्पा', 'शाहिद' सहित कई प्रतिभागी उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त 'शिक्षित युवा सेवा समिति' के विशेष शिक्षक 'राम सुरेश', 'जितेंद्र श्रीवास्तव', 'राम जी शुक्ला', 'चंदेश्वर प्रसाद मिश्र' सहित कई गणमान्य व्यक्तियों एवं अभिभावकों ने भी कार्यशाला में भाग लिया और महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 9 मार्च 2025 रविवार

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति का अधिकार

यह विडंबना ही है कि आजादी के पिचहत्तर साल बाद भी शीर्ष अदालत को याद दिलाना पड़ा है कि संविधान प्रदत्त अभिव्यक्ति की आजादी अनिवार्य हक है। यह भी कि हमारी पुलिस अब तक स्वतंत्र अभिव्यक्ति का मर्म नहीं समझी है और अकसर राजनीतिक दबाव में कार्यवाही कर देती है। कमोबेश यही स्थिति सत्ता पक्ष की भी है कि वो अपनी आलोचना पर तल्ख होकर अभिव्यक्ति की आजादी का अतिक्रमण करने पर उतारू हो जाता है। ऐसे मामलों में पुलिस का भी दायित्व बनता है कि अभिव्यक्ति की सही व्याख्या करे। उसके बाद ही किसी तरह की कार्वाई करे। निश्चय ही ऐसे मामलों में बेहद संवेदनशीलता की जरूरत होती है। वहीं दूसरी ओर हाल के दिनों में किसी राजनेता के बयान, फिल्मों, साहित्यिक अभिव्यक्ति पर भावनाएं आहत होने के आरोप लगाने का फैशन ही बन गया है। दरअसल, कला व साहित्य में अभिव्यक्ति बिंबों व प्रतीकों के माध्यम से की जाती है। जिसकी सतही व्याख्या करके आनन–फानन में मुकदमे दर्ज कर दिए जाते हैं। भारतीय समाज की तो सदियों से यह खूबसूरती ही रही है कि सभी विचारों व तर्कों का सम्मान किया जाता रहा है। लेकिन हाल के सोशल मीडिया के दौर में कथित भावना आहत होने के आरोप लगाने का रिवाज सा बन गया है। इसके विपरीत सत्ता पक्ष को सुविधाजनक लगने वाले तथ्य विचारों की अभिव्यक्ति का नोटिस नहीं लिया जाता। विडंबना यह है कि पुलिस भी सत्ता पक्ष के दबाव के चलते न्यायसंगत कार्रवाई नहीं कर पाती। यही वजह है कि पिछले दिनों सांसद इमरान प्रतापगढ़ी की कविता पर प्राथमिकी दर्ज होने तथा अश्लील अभिव्यक्ति करने वाले रणवीर इलाहाबादिया के प्रकरण में सुप्रीम कोर्ट ने मार्गदर्शक टिप्पणियां की। इसमें प्रतापगढ़ी की कविता का मर्म समझे बिना उसके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की कड़ी आलोचना की गई। साथ ही शीर्ष अदालत ने सरकारी दिशा–निर्देशों में स्वतंत्र अभिव्यक्ति की गरिमा का ध्यान रखने को भी कहा, जिससे किसी के साथ अन्याय न हो सके।

निस्संदेह, अदालत ने स्वतंत्र अभिव्यक्ति के लोकतांत्रिक व संवैधानिक मूल्यों के रूप में अपरिहार्य होने का जिक्र करते हुए दोटूक शब्दों में कहा कि कम से कम आजादी के सात दशक बाद पुलिस को इसकी गरिमा का अहसास होना चाहिए था। कोर्ट ने नसीहत दी कि प्रतापगढ़ी के खिलाफ मामला दर्ज करने से पहले पुलिस को कविता पढ़नी चाहिए थी और उसका वास्तविक अर्थ समझना चाहिए था। कविता इंसाफ और प्रेम को अभिव्यक्त करती थी, न कि हिंसा–दुर्भावना को। कोर्ट ने ऐसी ही टिप्पणी डिजिटल प्लेटफार्म के एक कार्यक्रम में भदेस–अश्लील शब्दावली का प्रयोग करने वाले रणवीर इलाहाबादिया को फिर से कार्यक्रम की अनुमति देते वक्त की है। कोर्ट ने चेताया कि अभिव्यक्ति की आजादी के मायने अश्लील अभिव्यक्ति कदापि नहीं है। कोर्ट ने इलाहाबादिया को सख्त लहजे में चेताया कि अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर वे नैतिकता व अश्लीलता की सीमाओं के अतिक्रमण करने का दुस्साहस कदापि न करें। अदालत ने सोशल मीडिया मंचों के दुरुपयोग पर गहरी चिंता जताते हुए कहा कि सरकार इस बाबत दिशा–निर्देश जारी करे ताकि सेंसर करने तथा मापदंडों का फर्क स्पष्ट हो सके, जिससे आनन–फानन में विचारों की स्वतंत्रता पर अनावश्यक अंकुश न लगाया जा सके। निस्संदेह, आजकल जब सोशल मीडिया के कतिपय मंचों पर असामाजिक व्यवहार मर्यादाओं की सीमा लांघना आम होता जा रहा है, इनका गाइडलाइन्स के जरिये नियमन जरूरी हो जाता है। लेकिन पुलिस–प्रशासन को जल्दबाजी में कार्रवाई करने के बजाय संवेदनशील ढंग से चीजों का अवलोकन करना चाहिए। यह जानते हुए कि किसी भी लोकतंत्र में नागरिकों की स्वतंत्र अभिव्यक्ति एक अपरिहार्य शर्त है। वैसे अभिव्यक्ति की आजादी को लेकर शीर्ष अदालत की यह टिप्पणी पहली बार नहीं आई। स्वतंत्र अभिव्यक्ति को लेकर कई बार मंथन भी होते हैं। लेकिन पुलिस–प्रशासन की कार्रवाई में आवश्यक संजीदगी नजर नहीं आती। यही वजह है कि अदालतों में भावनाओं के आहत होने वाले कथित मामले लगातार आते ही रहते हैं। जबकि अधिकांश मामलों में राजनीतिक व धार्मिक दुराग्रह देखने को मिलते हैं। कई लोग बड़े लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाकर चर्चा में आने का मौका तलाश लेते हैं। निस्संदेह, पुलिस–प्रशासन की संवेदनशीलता व सत्ता की उदारता से ही अभिव्यक्ति की आजादी की गरिमा रक्षित होगी। इसके अलावा महत्वपूर्ण यह भी है कि जिम्मेदार नागरिक के तौर पर हम अपनी अभिव्यक्ति की आजादी की रक्षा के प्रति सचेत रहें। हमारी उदासीनता समाज में निहित स्वार्थी तत्वों को मनमानी का अवसर देती है। स्वतंत्र अभिव्यक्ति के लिये बनाया गया जनता का दबाव सत्ता व पुलिस–प्रशासन को मनमानी करने से रोकता है।

बिहार में बाबाओं के प्रवचन या चुनावी प्रचार

—अजय कुमार—

बिहार में विधानसभा चुनाव जैसे–जैसे नजदीक आ रहा है, वैसे–वैसे सियासी पारा भी चढ़ता जा रहा है। हर दल अपनी राजनीतिक रणनीति तैयार करने में जुटा है, लेकिन इस बार चुनावी मैदान में सिर्फ राजनीतिक चेहरे ही नहीं, बल्कि धार्मिक गुरु भी सक्रिय नजर आ रहे हैं। हिंदू धर्मगुरु, प्रवचनकर्ता और संत बिहार का दौरा कर रहे हैं, और इस दौरे को लेकर राजनीतिक हलकों में कई तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। बिहार हमेशा से जातीय समीकरणों पर आधारित राजनीति का गढ़ रहा है, लेकिन इस बार चुनाव से पहले धार्मिक ध्रुवीकरण की बिसात बिछाई जा रही है। बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री, आर्ट ऑफ लिविंग के संस्थापक श्री श्री रविशंकर और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत का बिहार दौरा ऐसे समय में हो रहा है जब बीजेपी राज्य में अपनी राजनीतिक जमीन मजबूत करने की हर संभव कोशिश कर रही है। बिहार चुनाव बीजेपी के लिए एक बड़ा इम्तिहान माना जा रहा है क्योंकि अभी तक वह राज्य में अपने दम पर सरकार नहीं बना पाई है। हर बार उसे किसी सहयोगी दल की जरूरत पड़ी है, लेकिन इस बार बीजेपी ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान बिहार का दौरा कर चुके हैं, जिससे सियासी माहौल पहले ही गर्म हो चुका था और अब धार्मिक गुरुओं की एंट्री ने इसे और गरमा दिया है।

बिहार में लालू प्रसाद यादव और उनकी पार्टी आरजेडी के प्रभाव वाले इलाके गोपालगंज में बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री का पहुंचना महज संयोग नहीं कहा जा सकता। धीरेंद्र शास्त्री यहां पांच दिनों तक हनुमंत कथा कर रहे हैं, और उनकी कथाओं में हिंदुत्व का एजेंडा साफ झलक रहा है। उन्होंने कहा कि वे किसी पार्टी के लिए नहीं आए हैं बल्कि हिंदुओं को जागरूक करने के लिए यहां पहुंचे हैं। हालांकि, उनके इस बयान को राजनीति से जोड़कर देखा जा रहा है। हिंदुत्व के नाम पर भीड़ जुटाने की उनकी कला और बीजेपी नेताओं से उनकी करीबी किसी से छिपी नहीं है। गोपालगंज, जो कि आरजेडी का गढ़ माना जाता है, वहां जाकर हिंदुत्व पर जोर देना साफ तौर पर बीजेपी की रणनीति का हिस्सा माना जा सकता है। यह रणनीति खासतौर पर बिहार में जातीय राजनीति के मुकाबले धार्मिक ध्रुवीकरण को मजबूत करने की कोशिश लगती है। यह पहला मौका नहीं है जब धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने इस तरह के बयान दिए हैं, बल्कि वे लगातार हिंदू एकता की बात करते रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि हिंदुओं को अगर छेड़ा गया तो वे चुप नहीं बैठेंगे, और यह बयान ऐसे समय में आया है जब बिहार में चुनावी बिसात बिछ रही है।

धीरेंद्र शास्त्री के बिहार दौरे के ठीक बाद आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रविशंकर भी बिहार पहुंच गए। उनका भी बिहार दौरा महज आध्यात्मिक नहीं माना जा सकता, बल्कि इसके पीछे राजनीतिक मायने भी तलाशे जा रहे हैं। श्री श्री रविशंकर ने पटना के गांधी मैदान में सत्संग का आयोजन किया, जिसमें हजारों की संख्या में लोग पहुंचे। उन्होंने ध्यान, योग और जीवन जीने की कला पर प्रवचन दिए, लेकिन उनके दौरे की सबसे अहम बात वह 1000 साल पुराना पवित्र शिवलिंग था, जिसे वे बिहार लेकर आए थे। यह वही शिवलिंग है जिसे 1026 ईस्वी में महमूद गजनवी ने खंडित कर दिया था। उन्होंने दावा किया कि सदियों से एक अग्निहोत्री परिवार इस शिवलिंग को संभालकर रखे हुए था, और अब इसे सार्वजनिक दर्शन के लिए प्रस्तुत किया जा रहा है। यह पूरा घटनाक्रम हिंदुओं की धार्मिक भावनाओं को जगाने और उन्हें एकजुट करने की रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है। श्री श्री रविशंकर का यह दौरा ऐसे समय में हुआ जब बीजेपी बिहार में अपनी स्थिति मजबूत करने की कोशिश में जुटी है। यही कारण है कि उनके बिहार पहुंचने के तुरंत बाद डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी उनसे मिले और बिहार सरकार की ओर से हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत भी बिहार में हैं। उनका पांच दिवसीय दौरा जारी है, और इस दौरान वे संघ के स्वयंसेवकों और बीजेपी नेताओं से मुलाकात कर रहे हैं। भागवत ने अपने इस दौरे में बिहार के लोगों की तारीफ की और कहा कि वे समर्पण, कड़ी मेहनत और पुरुषार्थ के प्रतीक हैं। उन्होंने दशरथ मांझी का उदाहरण देते हुए यह संदेश देने की कोशिश की कि कठिन परिस्थितियों में भी संघर्ष करके सफलता पाई जा सकती है। हालांकि, उनके इस दौरे को सिर्फ आध्यात्मिक नहीं माना जा सकता, बल्कि इसे बीजेपी की चुनावी रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है। संघ प्रमुख का बिहार आना, वह भी चुनाव से पहले, यह बताने के लिए काफी है कि बीजेपी इस बार पूरी तैयारी के साथ चुनावी मैदान में उतर रही है। बीजेपी के लिए बिहार चुनाव हमेशा से चुनौतीपूर्ण रहा है, क्योंकि राज्य में जातीय समीकरण काफी मजबूत हैं। अब तक बीजेपी को जेडीयू के सहारे ही सत्ता में हिस्सेदारी मिलती रही है, लेकिन इस बार बीजेपी अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए हिंदुत्व कार्ड खेल रही है।

धार्मिक गुरुओं का बिहार में एक के बाद एक पहुंचना और उनके प्रवचनों में हिंदुत्व की बातें करना यह साबित करता है कि बिहार चुनाव से पहले एक बड़ा सियासी खेल खेला जा रहा है। आरजेडी ने साफ कहा है कि बीजेपी यह सब चुनावी फायदे के लिए कर रही है। विपक्ष का मानना है कि बीजेपी धार्मिक गुरुओं को आगे कर बिहार में एक नई राजनीतिक धारा बहाना चाहती है। हालांकि, बीजेपी इस तरह के आरोपों को नकारती रही है, लेकिन यह तो साफ है कि इन सभी घटनाओं का एक खास मकसद है। बिहार की राजनीति जातीय समीकरणों पर टिकी रही है, लेकिन बीजेपी अब इसे हिंदुत्व के आधार पर बदलने की कोशिश कर रही है। हिंदुत्व की राजनीति बीजेपी के लिए कोई नई बात नहीं है, लेकिन बिहार में इसे मजबूती से लागू करने की कोशिश पहली बार इतनी खुलकर हो रही है। संघ भी लगातार इस रणनीति पर काम कर रहा है कि जातियों में बंटे हिंदुओं को एक मंच पर लाया जाए, ताकि इसका चुनावी फायदा बीजेपी को मिले।

धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री पहले भी हिंदुओं को एकजुट करने की बात कह चुके हैं। उन्होंने मध्य प्रदेश में भी हिंदू जागरण के लिए यात्रा निकाली थी, और अब बिहार में भी उनका यही उद्देश्य नजर आ रहा है। श्री श्री रविशंकर के महमूद गजनवी द्वारा खंडित शिवलिंग को लेकर बिहार आने का भी यही मकसद हो सकता है कि हिंदुओं की भावनाएं जाग्रत हों और वे एकजुट होकर एक खास विचारधारा के समर्थन में खड़े हों। इन सब घटनाओं को जोड़कर देखा जाए तो यह साफ होता है कि बिहार चुनाव से पहले धार्मिक बाबाओं का यह दौरा महज संयोग नहीं, बल्कि एक सियासी रणनीति का हिस्सा है। बीजेपी यह समझ चुकी है कि बिहार में जातीय समीकरणों के चलते उसे सत्ता पाने में दिक्कत होती रही है, इसलिए अब वह हिंदुत्व को केंद्र में रखकर चुनावी लड़ाई लड़ना चाहती है। यह रणनीति कितनी सफल होगी, यह तो चुनाव के नतीजों से ही पता चलेगा, लेकिन इतना तय है कि बिहार में इस बार का चुनाव सिर्फ जातीय समीकरणों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि हिंदुत्व का मुद्दा भी पूरी तरह हावी रहेगा।

अपने हिस्से के आकाश की तलाश

—दीपिका अरोड़ा—

आत्मनिर्भरता अपने आप में एक महत्वपूर्ण गुण है, जो मनुष्य को स्वावलंबी बनाने के साथ मानसिक तौर भी सशक्त होने का अहसास दिलाता है। महिलाओं के दृष्टिकोण से विचारें तो वित्तीय संयोजन से अभिप्राय मात्र अपने पैरों पर खड़े होने तक सीमित न होकर आर्थिक आत्मनिर्भरता, स्वतंत्रता, सुरक्षा और शक्ति के बारे में है, जो उनके व्यक्तिगत जीवन से लेकर समुदायों, समाज तथा भावी पीढ़ियों तक को बदल सकता है।

यूं भी महिलाओं का घर की चारदीवारी में सिर्फ चूल्हेदृचौके तक सीमित रहना बीते युगों की बात हो चुकी है। आधुनिक नारी घर–परिवार संभालने के साथ पारिवारिक आमदनी बढ़ाने में भी पुरुष के कंधे से कंधा मिलाकर चल रही है। विविध क्षेत्रों से संबद्ध निजी व सरकारी संस्थाओं में सेवाएं देने के साथ आज ऐसी महिलाओं की भी कमी नहीं, जो नौकरी करने की अपेक्षा स्वरोजगार सृजित करने की आकांक्षी हैं। ये महिलाएं बड़े शहरों की उच्च डिग्रीधारक न होकर किसी छोटे से गांव या कस्बे से संबंधित हो सकती हैं, जिनके मन में कुछ अलग कर दिखाने का जज्बा भरा है।

आत्मनिर्भरता के स्तर पर नारी सशक्तीकरण को प्रमाणित करती है नीति आयोग के महिला उद्यमिता मंच, ट्रांस यूनियन सिबिल तथा माइक्रोसेव कंसल्टिंग द्वारा संयुक्त रूपेण तैयार की गई ताजा रिपोर्ट, जोकि देश में महिलाओं की वित्तीय प्रगति एवं क्रेडिट जागरूकता के मद्देनजर हो रही उल्लेखनीय वृद्धि का तथ्य उजागर करती है।

आसमान छूने की इन सहासिक कल्पनाओं में सतरंगी आभा भरने का श्रेय काफी हद तक जाता है उन योजनाओं को, जो उद्यमिता के क्षेत्र में पदार्पण की चाहवान महिलाओं को बैंकिंग प्रणाली से जोड़कर ऋण सुविधा प्रदान करते हुए उन्हें स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध करवाने में सहायक सिद्ध हो रही हैं। इनमें प्रमुख हैं जन धन योजना, महिला उद्यमी मुद्रा योजना, स्टैंड–अप इंडिया तथा प्रधानमंत्री रोजगार प्रोत्साहन योजना। इसके साथ माइक्रोफाइनेंस संस्थान एवं महिला–केंद्रित क्राउडफंडिंग प्लेटफार्म जैसे ग्रामीण फाउंडेशन इंडिया, मिलाप आदि भी महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के इस सदप्रयास में मददगार बनकर आगे आ रहे हैं।

यह परिदृश्य स्पष्ट संकेत है आधुनिक नारी की उस प्रगतिशील सोच का, जो वित्तीय प्रबन्धन में स्वायत्तता की हिमायती है। रिपोर्ट के मुताबिक, विगत पांच वर्षों में कर्ज लेने वाली महिलाओं की संख्या में तीन गुना बढ़ोतरी देखने में आई। इन महिलाओं में से 60 फीसदी ग्राम्य अथवा अर्धशहरी क्षेत्रों से संबंध रखती हैंय सामाजिक व आर्थिक विकास के दृष्टिगत निश्चय ही यह एक सुखद संकेत है।

निःसंदेह, बैंकिंग व्यवस्था में डिजिटल भुगतान ने महिलाओं के लिए कर्ज लेना व इसका प्रबन्धन करना अपेक्षाकृत सरल बना दिया है, जिसके चलते व्यावसायिक उद्देश्य की पूर्ति हेतु लिए जा रहे कर्ज में महिलाओं की भागीदारी 14 फीसदी बढ़ी। वे नियमित तौर पर अपने क्रेडिट स्कोर भी जांच रही हैं। यही नहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज की एक पूर्व रिपोर्ट के मुताबिक, देश के शेयर बाजार निवेशकों में हर चौथा निवेशक एक महिला ही है।

वित्तीय आत्मनिर्भरता न केवल आर्थिक स्वतंत्रता देती है बल्कि पुरानी रूढ़ियों को चुनौती देते हुए सांस्कृतिक मानदंडों को भी बदलती है। दरअसल, वित्तीय स्वतंत्रता व आत्मविश्वास के मध्य घनिष्ठ संबंध है। अध्ययनों से पता चला है कि महिलाएं जब वित्तीय संसाधनों पर नियंत्रण रखते हुए प्रभावी ढंग से प्रबंधित करती हैं तो इससे उनका आत्मसम्मान बढ़ता है। वे यह जानकर अच्छा महसूस करती हैं कि वे अपने व परिवार के लिए प्रावधान कर सकती हैं। सुरक्षित होने की भावना जीवन के अन्य क्षेत्रों में भी आत्मविश्वास बढ़ाती है, जिसमें उनके करियर व रिश्ते भी शामिल हैं।

इसके बावजूद संख्या के आधार पर सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में देश की आधी आबादी की हिस्सेदारी अभी मात्र 18 फीसदी है। इसमें एक बड़ा कारण है, पर्याप्त जानकारी का अभाव। महिलाएं अक्सर ऐसे नेटवर्कस तथा मार्गदर्शकों तक पहुंच नहीं बना पातीं, जो उनके व्यवसाय के विकास हेतु अनिवार्य माने गए हैं। व्यवसाय पंजीकरण, संपत्ति अधिकारों तथा लाइसेंसिंग जैसी कानूनी समस्यायों के साथ तकनीकी संसाधनों व डिजिटल उपकरणों की कमी आदि भी एक बड़ी समस्या बनकर उभरती है। सामाजिक दबाव, अत्यधिक अपेक्षाएं एवं महिलाओं के कौशल व नेतृत्व क्षमता पर उठाए जाते प्रश्न भी उसे बेझिझक आगे बढ़ने से रोकते हैं।

निस्संदेह, महिलाओं के प्रति समाज का नजरिया काफी हद तक बदला है किंतु इसे समानता तक पहुंचने में अभी मीलों सफर तय करना बाकी है। अंतर्राष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) के तहत, देश की श्रमशक्ति में महिलाओं की भागीदारी पुरुषों के बराबर हो जाए तो जीडीपी में 27 फीसदी तक वृद्धि हो सकती है। पर्याप्त अवसर व संसाधन मिलें तो निश्चय ही देश की अर्थव्यवस्था में महिलाएं निर्णायक योगदान दे पाएंगी।

निस्संदेह, महिलाओं के प्रति समाज का नजरिया काफी हद तक बदला है किंतु इसे समानता तक पहुंचने में अभी मीलों सफर तय करना बाकी है। अंतर्राष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) के तहत, देश की श्रमशक्ति में महिलाओं की भागीदारी पुरुषों के बराबर हो जाए तो जीडीपी में 27 फीसदी तक वृद्धि हो सकती है।

महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी और लोकतंत्र

—ब्रह्मानंद राजपूत—

हम विश्व में लगातार कई वर्षों से अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाते आ रहे हैं, महिलाओं के सम्मान के लिए घोषित इस दिन का उद्देश्य सिर्फ महिलाओं के प्रति श्रद्धा और सम्मान बताना है। इसलिए इस दिन को महिलाओं के आध्यात्मिक, शैक्षिक, आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक उपलब्धियों के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। नारी मानव जाति के लिए जननी का रूप है। कहा जाए तो जननी ही नारी है और नारी ही जननी है। नारी शक्ति या मातृशक्ति का इस संसार को आगे बढ़ाने में अहम् योगदान है। बिना नारी के इस दुनिया की कल्पना नहीं की जा सकती। अगर नारी नहीं होगी तो इस संसार का विकास नहीं हो पायेगा। नारी ही एक पुरुष को जन्म देती है, तभी नारी की सहन करने की शक्ति यानी सहनशक्ति का अहसास होता है कि वह इस संसार में कितनी मजबूत शक्ति है। आज उसी ही मजबूत नारी शक्ति पर कुछ मानसिक रूप से विक्षिप्त पुरुषों (ऐसे पुरुष जो नारी शक्ति को अपने उपभोग की वस्तु समझते हैं) द्वारा बलात्कार जैसी घटनाएं होती हैं। ऐसे पुरुषों द्वारा नारी को शारीरिक शोषण द्वारा हमेशा लज्जित किया जाता है, यह चीज समस्त मानवजाति को शर्मसार करती है। कुछ पुरुषों के ऐसे कृत्यों द्वारा बाकी के साफ–सुथरी छवि के पुरुषों को भी शर्मसार होना पड़ता है। आज जरूरत है महिलाओं और छोटी छोटी बच्चियों के खिलाफ बलात्कार जैसी होनी वाली घटनाओं पर लगाम लगाई जाए। ये तभी हो सकता है जब बलात्कार जैसे कृत्यों के खिलाफ मानव जाति एकजुट होकर फैसला ले और जो लोग दोषी पुरुषों का साथ देते हैं ऐसे लोगों का भी समाज पूर्ण रूप से बहिष्कार करे। इसके साथ ही आज जरूरत है कि बलात्कार जैसे कृत्यों के खिलाफ सरकारें एक कड़ी से कड़ी सजा का प्रावधान करें और बलात्कार जैसे मामलों की फास्टट्रैक कोर्ट द्वारा त्वरित कार्यवाही हो। जिससे कि दूसरे लोग भी ऐसे कृत्य करने से पहले सौ बार सोचें। तभी मानव जाति और समाज के स्तर को उठाया जा सकता है।

आज अपने समाज में नारी के स्तर को उठाने के लिए सबसे ज्यादा जरूरत है महिला सशक्तिकरण की। महिला सशक्तिकरण का अर्थ है महिलाओं की आध्यात्मिक, शैक्षिक, सामाजिक, राजनैतिक और आर्थिक शक्ति में वृध्दि करना, बिना इसके महिला सशक्तिकरण असंभव है। आज हर महिला समाज में धार्मिक रूढ़ियों, पुराने नियम कानून में अपने आप को बंधा पाती है। पर अब वक्त है कि हर महिला तमाम रूढ़ियों से खुद को मुक्त करे। प्रकृति ने औरतों को खूबसूरती ही नहीं, दृढ़ता भी दी है। प्रजनन क्षमता भी सिर्फ उसी को हासिल है। भारतीय समाज में आज भी कन्या रूण हत्या जैसे कृत्य दिन–रात किए जा रहे हैं। पर हर कन्या में एक मां दुर्गा छिपी होती है। यह हैरत की बात है कि दुर्गा की पूजा करने वाला इंसान दुर्गा की प्रतिरूप नवजात कन्या का गर्भ में वध कर देता है। इसमें बाप, परिवार के साथ समाज भी सहयोग देता है। आज जरूरत है कि देश में बच्चियों को हम वही आत्मविश्वास और हिम्मत दें जो लड़कों को देते हैं। इससे प्रकृति का संतुलन बना रहे। इसलिए जरूरी है कि इस धरती पर कन्या को भी बराबर का सम्मान मिले। साथ ही उसकी गरिमा भी बनी रहे। इसलिए अपने अंदर की शक्ति को जागृत करें और हर स्त्री में यह शक्ति जगाएं ताकि वह हर विकृत मानसिकता का सामना पूरे साहस और धीरज के साथ कर सके। एक नारी के बिना किसी भी व्यक्ति जीवन सृजित नहीं हो सकता है। जिस परिवार में महिला नहीं होती, वहां पुरुष न तो अच्छी तरह से जिम्मेदारी निभा पाते हैं और ना ही लंबे समय तक जीते हैं। वहीं जिन परिवारों में महिलाओं पर परिवार की जिम्मेदारी होती है, वहां महिलाएं हर चुनौती, हर जिम्मेदारी को बेहतर तरीके से निभाती है और परिवार खुशहाल रहता है। अगर मजबूती की बात की जाए तो महिलाएं पुरुषों से ज्यादा मजबूत होती हैं क्योंकि वो पुरुषों को जन्म देती हैं।

भारतीय संविधान द्वारा प्रदत्त भारत के मौलिक के मौलिक अधिकारों के अंतर्गत सभी को अनुच्छेद 14–18 के अंतर्गत समानता का अधिकार दिया गया है। जो कि महिलाओं और पुरुषों को बराबरी का अधिकार देता है। इसके अन्तर्गत यह भी सुनिश्चित किया गया है कि राज्य के तहत होने वाली नियुक्तियों और रोजगार के संबंध में किसी तरह का भेदभाव नहीं किया जाएगा। और संविधान द्वारा मौलिक अधिकारों के अन्तर्गत दिये गया समानता का अधिकार भारतीय राज्य को किसी के भी खिलाफ लिंग के आधार पर भेदभाव करने से रोकता है। देष में महिलाओं के उत्थान और सशक्तीकरण को देखते हुए हमारे संविधान को 1993 में संशोधित किया गया। 73वें संशोधन के जरिये संविधान में अनुच्छेद 243ए से 243ओ तक जोड़ा गया। इस संशोधन में इस बात की व्यवस्था की गई कि पंचायतों और नगरपालिकाओं में कम से कम एक तिहाई चेयरपर्सन की सीटें महिलाओं के लिए सुरक्षित होंगी। इस संशोधन में इसकी भी व्यवस्था की गई कि पंचायतों और नगरपालिकाओं में कम से कम एक तिहाई सीटें महिलाओं के लिए सुरक्षित हों। पंचायती राज संस्थानों द्वारा महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण को लागू करने में सकारात्मक कार्यवाही से महिलाओं के प्रतिनिधित्व में तेजी से वृद्धि हुई है। वास्तव में देखा जाए तो देशभर में पंचायतों में चुनी गई महिलाओं का प्रतिनिधित्व 40 प्रतिशत हो गया है। कुछ राज्यों में पंचायतों में महिलाओं का प्रतिनिधित्व 50 प्रतिशत तक पहुंच गया है। बिना प्रतिनिधित्व के महिलाओं का सशक्तिकरण असंभव है। जब तक महिलाओं को प्रतिनिधित्व नहीं दिया जाएगा तब तक हम महिलाओं के सशक्तिकरण की कल्पना नहीं कर सकते।

नए संसद भवन में 20 सितंबर 2023 को नारी शक्ति वंदन विधेयक लोकसभा में पास हुआ था। लोकसभा में पास होने के बाद 21 सितंबर 2023 को यह नारी शक्ति वंदन विधेयक राज्यसभा से भी पारित होने के बाद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने इस विधेयक को अपनी मंजूरी दे दी है।

महिला दिवस पर गरजीं आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियां, बोली हो रहा शोषण

संवाददाता–महराजगंज। जिला मुख्यालय परिसर में आंगनबाड़ी कर्मचारी और सहायिका एसोसिएशन की जिलाध्यक्ष छाया भारती की अध्यक्षता में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम हुआ। सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्त्रियों ने राज्य कर्मचारी का दर्जा दिलाने की मांग को लेकर आवाज बुलंद की। कहा कि सरकार कार्यकर्त्रियों का साथ शोषण कर रही है।

इसको लेकर प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री को संबोधित मांग पत्र डीएम को सौंपकर कार्रवाई की मांग की गई। इस दौरान फरेंदा विधायक वीरेंद्र चौधरी ने कहा कि वे नारी सशक्तिकरण को लेकर विधानसभा में यह मुद्दा उठाएंगे। महिला जिलाध्यक्ष छाया भारती ने कहा कि आंगनबाड़ी विभाग को आज 55 वर्ष पूर्ण हो चुका है, लेकिन जो भी सरकार आई कार्यकर्त्रियों के मानदेय बढ़ाने के नाम पर लालीपाप ही देती रही। केंद्र व प्रदेश सरकार दोनों मिलाकर सिर्फ छह हजार मानदेय दे रही है। महंगाई के युग में जीवन–यापन करना मुश्किल हो गई है। कहा कि केन्द्र व प्रदेश की योजनाओं का जिम्मा कार्यकर्त्रियों को सौंप दिया जाता है और इसे बड़ी ईमानदारी से किया जाता है, लेकिन सरकार सुधि नहीं ले रही है। सम्मान जनक मानदेय नहीं दिया जा रहा है। राज्य कर्मचरियों की तरह हमारी नियुक्ति होती है और जिस तरह राज्य कर्मचारी कर रहे हैं उसी प्रकार कार्यकर्त्रियां भी योजनाओं का काम कर रही हैं। कहा कि अगर सरकार मानदेय बढ़ोत्तरी नहीं करती है, तो संघर्ष जारी रहेगा।

इस दौरान संरक्षक राधेश्याम गुप्ता, ब्लॉक अध्यक्ष राजमती, आयशा बेगम, नाजमा, सरोज जायसवाल, ज्ञानमती, शीला, संगीता, सीमा, प्रमिला, जावित्री, राधिका, शोभा यादव, दिलीप, उमेश चंद, संगीता, कुसुमलता, सोना, सदरून, सरोज, उर्मिला, पुष्पा, आस्था, आरती, किरन, भानु शुक्ला, विनोद यादव सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

महिला दिवस पर आकांक्षा मेलाः स्वयं सहायता समूहों के उत्पादों की प्रदर्शनी, डीएम ने किया उद्घाटन

संवाददाता–कुशीनगर। उदित नारायण पीजी कॉलेज पडरौना में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर विशेष आकांक्षा मेले का आयोजन किया गया। एनआरएलएम, आकांक्षा समिति और डूडा के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस मेले का उद्घाटन जिलाधिकारी विशाल भारद्वाज और आकांक्षा समिति अध्यक्ष डॉ. अंगीरा भारद्वाज ने किया।

मेले में स्वयं सहायता समूहों की महिला उद्यमियों ने अपने उत्पादों के स्टॉल लगाए। केले, हल्दी और रेशे से बने विभिन्न उत्पादों की जानकारी दी गई। चिकित्सा विभाग, प्रोबेशन कार्यालय और एनआरएलएम ने भी स्टॉल लगाकर सरकारी योजनाओं की जानकारी दी। कार्यक्रम में छात्राओं ने सरस्वती वंदना, गणेश स्तुति और शिव स्तोत्र का गायन किया। जिलाधिकारी ने महिला स्वास्थ्य, शिक्षा और रोजगार पर जोर दिया। आकांक्षा समिति अध्यक्ष ने स्वयं सहायता समूहों के आजीविका विविधीकरण और कौशल विकास पर बल दिया। इस अवसर पर कसया के मधवापुर की साबिया खातून को मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के तहत एक लाख एक हजार रुपये का विवाह सहायता चेक दिया गया। स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को विभिन्न कार्यों के लिए प्रमाण पत्र भी वितरित किए गए। कार्यक्रम में उपायुक्त स्वतः रोजगार राजेंद्र प्रसाद मिश्र, जिला प्रोबेशन अधिकारी विनय कुमार, डॉ. यशा मिश्रा, डॉ. रूपम जायसवाल, मीनू जिन्दल, सुनीता पांडेय सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

सिर कटी लाश की हुई पहचान, पुलिस बोली –प्रेम प्रसंग में हुई हत्या

संवाददाता–बहराइच। नानपारा क्षेत्र के जगन्नाथपुर गांव स्थित नहर के पास शुक्रवार को एक महिला की सिर कटी लाश मिली थी। इसी दिन देर रात को श्रावस्ती के हरदत्त नगर गिरंट थाना क्षेत्र निवासी एक महिला ने सिर कटी लाश की पहचान कद–काठी व कपड़े से अपनी बहू साजरुन (26) के रूप में किया है। हालांकि अभी तक लाश का सिर पुलिस को नही मिला है। फिलहाल पुलिस प्रेम प्रसंग को आधार मानकर जांच कर रही है।

कोतवाली नानपारा के जगन्नाथपुर गांव के बगल से निकलने वाली नहर के किनारे एक महिला की सिर कटी लाश शुक्रवार को मिली थी। लाश का सिर मौके से गायब था। इससे लाश की पहचान नही हो पा रही थी। उसी रात श्रावस्ती के चमर श्रीनगर थाना मल्हीपुर निवासी सास आमना ने पुलिस से मिलकर सिर कटी लाश के पहचानने का दावा किया। उसने लाश की पहचान उसके कद– काठी व कपड़े से किया है। सास आमना का कहना है कि लाश उसकी बहू साजरून (26) की है। वह बुधवार देर रात से ही गायब है। उसके गायब होने की जानकारी उसे तब हुई जब उसकी छोटी बेटी जो बिस्तर पर अकेली थी। वह रोने लगी। वहीं दूसरी ओर साजरून के पिता इंसान अली निवासी हसनपुर बेगमपुर हरदत्तनगर गिरंट, श्रावस्ती ने मलहीपुर पुलिस को एक शिकायती पत्र दिया है। पत्र में कहा गया है कि उसके पुत्र का विवाह अलीमुद्दीन से 10 वर्ष पूर्व हुआ था। वह विगत पांच माह से मुंबई में है। दूसरी तरफ मृतका के पिता इंसान अली का कहना है कि उसकी बेटी के सास व ससुर अपने बेटे का मुंबई वाला पता नहीं बता रहे हैं। सिर कटी लाश की पहचान का दावा कद– काठी व पहनावे से किया जा रहा है लेकिन अभी तक गायब सिर नहीं मिला है। पुलिस सास के पहचान के दावे को सही मान कर जांच को आगे बढ़ा रही है। पुलिस सिर कटी लाश के मामले की जांच को खुलासे के मोड़ तक ले आई है। पुलिस का दावा है कि सर्विलांस के माध्यम से आरोपी की पहचान लगभग कर ली गई है। पूरा मामला प्रेम प्रसंग की थ्योरी पर आधारित है। सीओ नानपारा प्रद्युम्न कुमार सिंह का कहना है कि मृतका की मां ने भी अपनी बेटी की पहचान की है। मां ने बताया था कि उसकी बेटी के पीठ पर मस्सा, हाथ में पुरानी चोट एवं पैरों तथा कपड़ों के आधार पर उसने कहा कि यह मेरी ही बेटी है।

दो शातिर चोर गिरफ्तार, सात बाइक बरामद

संवाददाता–बहराइच। दरगाह पुलिस ने वाहन चेकिंग के दौरान दो शातिर वाहन चोरों को पकड़ा है। पकड़े गए आरोपियों के पास से चोरी की सात बाइक बरामद हुई हैं।

दरगाह थाना प्रभारी शमशेर सिंह और उनकी टीम पहाड़ फक्कर रोड पर वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इस दौरान एक बाइक पर सवार दो युवक पुलिस को देखकर भागने लगे। पुलिस टीम ने उन्हें घेरकर पकड़ लिया। पूछताछ में दोनों ने बताया कि बाइक चोरी की है। इसलिए वे भाग रहे थे।

पुलिस की कड़ी पूछताछ में आरोपियों ने छह और चोरी की बाइकें बाग में छिपाकर रखने की बात कबूली। पुलिस ने मौके से इन बाइकों को भी बरामद कर लिया।

अपर पुलिस अधीक्षक नगर रामानंद कुशवाहा ने बताया कि पकड़े गए आरोपियों के नाम अनस और अफाक हैं। ये दोनों अलग–अलग इलाकों से बाइक चुराते थे। चोरी की बाइकों की नंबर प्लेट बदलकर नेपाल ले जाकर बेच देते थे। पुलिस अधीक्षक ने इन्हें पकड़ने वाली टीम को 10 हजार रुपए के नकद इनाम की घोषणा की है।

प्रदेश में छह जेलों का हो रहा निर्माण, 14 जेलें प्रस्तावित है –दारा सिंह चौहान

संवाददाता–गोण्डा। यूपी के कारागार मंत्री व जिले के प्रभारी मंत्री दारा सिंह चौहान ने शनिवार को गोंडा दौरे के दौरान कहा कि जेलों में क्षमता से अधिक बंदियों की संख्या को देखते हुए राज्य सरकार की ओर से छह नए जेलों का निर्माण किया जा रहा है। 14 नई जेल प्रस्तावित हैं। आने वाले दिनों में 12000 कैदियों की क्षमता वाले जेल तैयार हो जाएंगे।

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार हर वर्ग की आस्था का ध्यान रख रही है। जेलों में निरुद्ध बंदी को भी गंगाजल से स्नान का सौभाग्य प्राप्त हो, इसके लिए संगम से जल लाकर 90,000 कैदियों को स्नान कराया गया है। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ की ओर से महिलाओं की सुरक्षा, रोजगार व नौकरी के लिए विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

सपा के विधायक अबू आजमी के औरंगजेब को लेकर दिए गए बयान को लेकर उन्होंने प्रतिक्रिया न देते हुए कहा कि भाजपा सरकार सिर्फ प्रदेश के विकास पर ध्यान दे रही है। कांग्रेस के नेता राहुल गांधी के गुजरात दौरे को लेकर उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को अफसोस है कि उनके कार्यकर्ता अच्छे से कार्य करते तो कांग्रेस भी गुजरात में सरकार बना लेती।

कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर के बेटे अरुण राजभर व कैबिनेट मंत्री दयाशंकर सिंह की बयानबाजी को लेकर उन्होंने बताया दोनों मंत्रियों में दोस्ती है। इसमें मतभेद का सवाल ही नहीं उठता। कार्यक्रम में गौरा विधायक प्रभात वर्मा, जिलाध्यक्ष अमर किशोर कश्यप, डॉ. नीलम तिवारी, डॉ. ज्योत्सना शुक्ला, मनीषा मिश्रा, रजनी यादव, अनुपम प्रकाश मिश्र, दीपक गुप्ता, राघवेंद्र ओझा और अर्जुन प्रसाद तिवारी आदि मौजूद रहे।

हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से दो की मौत

संवाददाता–बहराइच। जरवल इलाके में शनिवार दोपहर को नवनिर्मित मकान की रंगाई–पुताई के दौरान दो मजदूरों की करंट लगने से मौत हो गई। जरवल थाना क्षेत्र के हरचंदा गांव में सज्जन के मकान पर रंग–रोगन का काम चल रहा था।

इस काम में गोंडा के कटरा निवासी बाबू और स्थानीय निवासी अफजाल लगे हुए थे। दोपहर करीब 3 बजे दोनों मजदूर लोहे की सीढ़ी लेकर काम कर रहे थे। इसी दौरान मकान के ऊपर से गुजर रही 11 हजार वोल्ट की हाईटेंशन लाइन से सीढ़ी टकरा गई।

हादसे में दोनों मजदूर गंभीर रूप से झुलस गए। स्थानीय लोग तुरंत दोनों को मुस्तफाबाद स्वास्थ्य केंद्र ले गए। चिकित्सकों ने जांच के बाद दोनों को मृत घोषित कर दिया। थाना प्रभारी जरवल रोड रमेश रावत ने घटना की पुष्टि की है। पुलिस ने दोनों मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इस हादसे से मृतकों के परिवारों में कोहराम मचा हुआ है।

वर्तमान में महिलाएं हर क्षेत्र में अग्रणी –कृषि मंत्री

संवाददाता–देवरिया। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने की। धनवन्तरि सभागार में आयोजित इस समारोह में विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिभाशाली महिलाओं को सम्मानित किया गया।

कृषि मंत्री ने कहा कि आज देश के सर्वोच्च पद पर महिला विराजमान हैं। उन्होंने सनातन संस्कृति में नारी सम्मान की परंपरा का उल्लेख किया। मंत्री ने बताया कि वर्तमान में महिलाएं हर क्षेत्र में अग्रणी हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की नीतियों से आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां और आशा बहनें सशक्त हुई हैं। पुलिस बल में भी महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है। सदर विधायक शलभ मणि त्रिपाठी ने कहा कि डबल इंजन की सरकार में महिलाओं का सम्मान बढ़ा है। मिशन शक्ति से महिलाओं में सुरक्षा का भाव मजबूत हुआ है। विधायक सभाकुंवर कुशवाहा ने बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान की सफलता का जिक्र किया।

जिलाधिकारी दिव्या मित्तल ने बेटियों को सपने देखने और मेहनत करने का संदेश दिया। उन्होंने अभिभावकों से बच्चियों की क्षमताओं पर भरोसा करने की अपील की। कार्यक्रम में नगरपालिका अध्यक्षा अलका सिंह सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

होली में रहें सतर्क, चूक पर घटतौली के हो जाएंगे शिकार

संवाददाता–महराजगंज। होली में यदि आप किसी दुकान पर सामान खरीदने जाते हैं, तो हमेशा सावधान रहें। सावधान नहीं रहेंगे तो आप घटतौली के शिकार आसानी से हो सकते हैं। कुछ इसी तरह का हाल होली त्योहार में महराजगंज जिले के बाजारों का है। शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्र के कई दुकानदार कांटा में सेटिंग कराकर घटतौली का खेल कर रहे हैं।

महराजगंज जिले में उपभोक्ता हितों को लेकर महराजगंज व फरेन्दा में बाट–माप का कार्यालय स्थित है। बीते कुछ वर्षों में बदलाव आने के बाद अब अधिकांश दुकानदार इलेक्ट्रानिक कांटे से सामानों को तौल कर दे रहे हैं। बाट–माप विभाग में हर साल दुकानदार इलेक्ट्रानिक कांटा में रिनुअल के लिए फीस जमा करते हैं। इसके बदले विभाग रसीद मुहैया कराता है। लेकिन पूरे जिले में बेखौफ कालाबाजारी का आलम यह है कि कई दुकानदार कांटा में सेटिंग करा कर घटतौली कर रहे हैं। लेकिन उन्हें कोई पूछने वाला नहीं है।

यह घटतौली बहुत कम मात्रा में होती है। सेटिंग वाले दुकानदार से अधिक मात्रा में सामान खरीदने पर 200 से लेकर 500 ग्राम तक आसानी से चूना लगा लेते हैं।

इलेक्ट्रानिक कांटा में घटतौली आसानी से किया जा सकता है। दुकानदार विभागीय लाइसेंसी धारकों से बातचीत कर अपने पाले में कर कांटे में सेंटिग करा लेते हैं। जब आप दुकान पर सामान खरीदने हैं तो देखने में आप को मानक के अनुसार तौल होता दिखाई देता है। पर अधिक मात्रा में सामान खरीदने पर विभागीय लाइसेंसी धारकों की शह पर दुकानदार आसानी से ग्राहकों को चूना लगा लेता है।

रमेश प्रसाद, एसआई, बाट–माप विभाग ने कहा कि बाट–माप द्वारा इलेक्ट्रानिक व मैनुअल कांटे में मोहर लगाने के लिए कई लोगों को लाइसेंस जारी किया गया है। त्योहार में घटतौली पकड़ने के लिए निरीक्षण किए जाते हैं। किसी दुकानदार द्वारा घटतौली करते हुए पकड़े जाने पर संबंधित के खिलाफ विधिक कार्रवाई की जाएगी।

फरार आरोपी मुठभेड़ में घायल

संवाददाता–बहराइच। जरवलरोड के धनश्री गांव में मवेशी वध मामले में फरार आरोपियों में एक के हरचंदा की ओर होने की भनक पर शनिवार भोर में क्राइम ब्रांच व जरवल पुलिस ने दबिश दी। जिस पर गौतस्कर ने पुलिस टीम पर एक चक्र गोली चला दी। जवाबी कार्रवाई में पैर में गोली लगने से आरोपी घायल हो गया। उसे पुलिस मुस्तफाबाद सीएचसी लाई। वहां से उसे मेडिकल कॉलेज भेज दिया गया है।

जरवलरोड थाने के धनश्रीगांव में दो मवेशियों की चार मार्च को चोरी कर वध कर दिया गया था। जिनके अवशेष मिलने के साथ दो और मवेशियों के अवशेष मिले थे। लापरवाही बरतने पर एसपी ने तत्कालीन थानाध्यक्ष बृजराज प्रसाद को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया था। इसी मामले में शनिवार सुबह 3:55 बजे एक आरोपी हरचंदा गांव निवासी अशरफ के गांव में आने की भनक पर सीओ कैसरगंज राजू खोखर के नेतृत्व मे क्राइम ब्रांच व जरवलरोड एसएचओ रमेश रावत व उनकी टीम ने दबिश दी। जिस पर अशरफ ने पुलिस टीम पर फायर झोंक भागने के प्रयास में पुलिस की जवाबी कार्रवाई में अशरफ के पैर में गोली लगने से घायल हो गया। उसे आनन फानन में मुस्तफाबाद सीएचसी लाए जाने पर चिकित्सकों ने प्राथमिक इलाज कर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया है।

ऑपरेशन कनविक्शन में देवरिया ने किया शानदार प्रदर्शन

संवाददाता–देवरिया। उत्तर प्रदेश पुलिस महानिदेशक के विशेष अभियान श्ऑपरेशन कनविक्शनश में देवरिया पुलिस ने शानदार प्रदर्शन किया है।

उत्तर प्रदेश पुलिस महानिदेशक के विशेष अभियान ऑपरेशन कनविक्शन में देवरिया पुलिस ने शानदार प्रदर्शन किया है। जनपद को प्रदेश में चौथा और गोरखपुर जोन व रेंज में पहला स्थान मिला है। पुलिस अधीक्षक विक्रांत वीर के नेतृत्व में मॉनिटरिंग शाखा ने अभियोजन कार्यालय के साथ बेहतर समन्वय स्थापित किया।

फरवरी 2025 में कुल 118 मामलों में 175 अपराधियों को सजा दिलवाई गई। यह सफलता देवरिया पुलिस की कार्यकुशलता, न्यायिक प्रक्रियाओं में तेजी और मजबूत साक्ष्य प्रस्तुतिकरण का परिणाम है।

पुलिस ने संगठित अपराधियों और गैंगस्टरों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की। इससे अधिकतम मामलों में दोषियों को सजा सुनिश्चित हुई। एसपी ने इस उपलब्धि पर मॉनिटरिंग शाखा की पूरी टीम को बधाई दी है। टीम को प्रशस्ति पत्र देने की भी घोषणा की गई है।

मॉनिटरिंग शाखा में प्रभारी निरीक्षक गोरखनाथ सरोज के नेतृत्व में हेड कांस्टेबल सदानंद यादव, उदयभान, कन्हैया यादव, रामकिशुन चौहान, अजीत कुमार राजभर, अनुराग शुक्ला, सुप्रिया यादव, सुरेखा मौर्या और संगीता सिंह शामिल हैं।

त्याग तपस्या की भूमि अयोध्या के अनमोल रत्न थे सीताराम शरण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। अयोध्या त्याग एवं तपस्या की भूमि है और उसके अनमोलरत्न थे लक्ष्मण किलाधीश स्वामी सीताराम शरण जी महाराज। महाराजश्री की 27 वीं पुण्यतिथि पर आयोजित समारोह में चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए लक्ष्मण किला के वर्तमान पीठाधीश्वर महंत मैथिली रमण शरण महाराज ने कहा कि श्री महाराज जी में विद्वता एवं रसिकता दोनों एक साथ विद्यमान रही। वह भगवान श्रीसीताराम एवं श्रीराम से जुड़े प्रसंगों को मधुर भाव से सुनाकर भाव विभोर कर देते थे। वह रामकथा की शास्त्रीय भावधारा के उत्तर भारत के विशिष्ट विद्वान थे और निरंतर सेवा करते रहते थे। वर्तमान समय में भी उन्हीं के पद चिन्हों पर चलते हुए लक्ष्मण किला पर उत्सव और सेवाएं निरंतर चलती रहती हैं।

श्री महाराज जी के पुण्यतिथि समारोह में संत गृहस्थ राजनेता बड़े ही श्रद्धा पूर्वक लक्ष्मण किला पर पहुंचकर श्री महाराज जी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं और प्रसाद को ग्रहण करते हैं क्योंकि यह वही स्थान है जहां श्री महाराज निरंतर तपस्या में लीन होकर के लोगों की सेवा करते रहते थे। हनुमान निवास महंत डॉ मिथिलेश नंदिनी और किला के अधिकारी सूर्य प्रकाश शरण ने पुण्यतिथि पर पधारे सभी संतो अतिथियों का स्वागत सत्कार किया।श्री महाराज जी की पुण्यतिथि समारोह में श्री राम वल्लभाकुंज के अधिकारी राजकुमार दास, महंत बलराम दास, महंत अवधा बिहारी शरण,नाका हनुमानगढ़ी के महंत राम दास,बालाजी सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत रामदास,महंत शशिकांत दास पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह सहित हजारों संतों महंतों ने श्री महाराज जी को श्रद्धांजलि अर्पित की।

डीसीएम की चपेट में आने से पिता–पुत्र की मौत

संवाददाता–गोण्डा। थानाक्षेत्र के अयोध्या – गोंडा मार्ग पर शुक्रवार देर शाम सहिबापुर हथिनाग के पास डीसीएम को ओवरटेक करते समय एक बाइक डीसीएम की चपेट में आ गई। इस हादसे में बाइक पर सवार पिता – पुत्र की मौत हो गयी। परिजन की तहरीर पर पुलिस ने डीसीएम चालक के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। बताया जाता है कि बालपुर निवासी सूर्य प्रकाश जायसवाल उर्फ दीपू उम्र (30) वर्ष अपने पिता राजेन्द्र जायसवाल (57) के साथ बाइक से मझारा स्थित रिश्तेदारी में जा रहे थे। अयोध्या – गोंडा मार्ग पर हथिनाग मोड़ के पास सड़क निर्माण के लिए रखी गिट्टी के चलते सामने से आ रहे डीसीएम से भिड़ गए। जिससे पिता – पुत्र दोनों गम्भीररूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुचीं पुलिस ने दोनों को मेडिकल कालेज गोंडा भेजा, जहां चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। मौका पाकर मौकाए वारदात से डीसीएम चालक डीसीएम छोड़ कर फरार हो गया। डीसीएम को पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया है ।

बताया जाता है कि मृतक पिता राजेन्द्र जायसवाल की शादी मझारा में हुई थी। पुत्र सूर्य प्रकाश जायसवाल की हाल ही में शादी दो मार्च को कडरु परसपुर में शादी हुई थी। मृतक अपने पिता के साथ शादी का भात खाने मामा शिवशरन जायसवाल के यहां मझारा जा रहे थे । सहिबापुर हथिनाग के पास हुए हादसे की भेंट चढ़ गए। थानाध्यक्ष अभय सिंह ने बताया कि मृतक के भतीजे संतोष जायसवाल की तहरीर पर डीसीएम चालक के विरुद्ध केस दर्ज कर विधिक कार्यवाही की जा रही है।

महिला अधिकारों के लिए निकाली जागरूकता रैली

संवाददाता–बलरामपुर। एमएलकेपी जी कॉलेज में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर एनसीसी कैडेट्स ने जागरूकता रैली निकाली। 51वीं यूपी बटालियन के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल अरविंद प्रताप सिंह पटवाल के निर्देशन में आयोजित रैली का शुभारंभ महाविद्यालय प्राचार्य प्रो. जेपी पाण्डेय ने किया। प्राचार्य पाण्डेय ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस हर साल 8 मार्च को मनाया जाता है। यह दिन महिलाओं की उपलब्धियों का सम्मान और लैंगिक समानता की वकालत करता है। साल 2025 की थीम श्एक्सलरेट एक्शनश लैंगिक समानता के लिए तत्काल कार्रवाई पर जोर देती है। एसोसिएट एनसीसी ऑफिसर लेफ्टिनेंट डॉ. देवेन्द्र कुमार चौहान ने कहा कि महिलाओं का सम्मान समाज की उन्नति और विकास की बुनियाद है। उन्होंने 8 मार्च को नारी शक्ति के संघर्ष, संकल्प और सफलता का उत्सव बताया।

थाना दिवस में 33 शिकायत मिली, तीन निस्तारित

संवाददाता–श्रावस्ती,। सभी थानों में शनिवार को समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें डीएम व एसपी समेत अन्य अधिकारियों ने लोगों की शिकायत सुनी। इस दौरान कुल 33 शिकायती पत्र आए जिसमें तीन का निस्तारण किया गया। जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी व पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया की अध्यक्षता में थाना सिरसिया में समाधान दिवस का आयोजन हुआ। जिसमें डीएम व एसपी ने शिकायतें सुनीं। जिलाधिकारी ने कहा कि समाधान दिवस में आने वाले फरियादियों की समस्या को गम्भीरता से सुने व समय से समाधान करें। वहीं एसपी ने कहा कि आने वाली प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से लिया जाय। छोटी बड़ी सभी शिकायतों का समाधान प्राथमिकता से किया जाय। शिकायत का संज्ञान लेकर मौके पर जाकर प्रकरण की जांच कर कार्रवाई किया जाय। निस्तारण के बाद शिकायतकर्ता को सूचित भी किया जाय। समाधान दिवस में थाना गिलौला में तीन, थाना इकौना में 13 शिकायती पत्र आए। लेकिन किसी का भी निस्तारण नहीं हो सका। जबकि थाना मल्हीपुर चार शिकायतों में से दो का मौके पर निस्तारण कराया गया। थाना सिरसिया में एक, कोतवाली भिनगा में पांच, थाना सोनवा में एक, नवीन माडर्न थाना श्रावस्ती में एक शिकायत आयी। लेकिन निस्तारण नहीं हो सका। हरदत्त नगर गिरंट थाने में प्राप्त पांच शिकायतों में से एक का समाधान किया गया।

अदालती नोटिस

(हेतु सन्दर्शित करने की सूचना साधारण प्रारूप)

न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) सदर महोदय जिला अयोध्या

मूलवाद सं0–718 / 2024

हनुमान प्रसाद

बनाम

अंकित आदि

बनाम–1– अंकित पुत्र हनुमान प्रसाद 2. खुशी पत्नी अंकित निवासीगण मकान नं0–1 / 03 / 130 सहादत्तगंज परगना हवेली अवध तहसील सदर जिला–अयोध्या

तारीख पेशी 25–03–2025

चूंकि उपरिनामांकित ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि अतएवं आपके एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इसे आदेश के खिलाफ हेतु सन्दर्भित करने के लिये 2025 के माह 03 के 25 दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्पर्क रूपेण अनुर्दिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा न करने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज सन 25 के माह के दिवस को निकाली गयी।

द0 हाकिम

गोला में युवक की चाकू गोदकर हत्या, खेत में मिली लाश

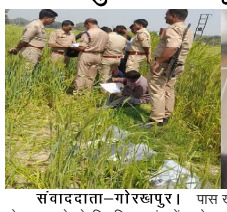

संवाददाता–गोरखपुर। गोला इलाके के खिरकिटा गांव में एक युवक की चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई। शुक्रवार शाम को एक फोन आने के बाद वह घर से निकला था। देर रात नहीं लौटने पर परिजनों ने फोन किया तो मोबाइल बंद था और सुबह गांव के पास खेत में लाश मिली। जानकारी के मुताबिक, खिरकिटा निवासी सत्यम पुत्र रामनेवास शुक्रवार की शाम को छह बजे किसी का फोन आने पर बिना कुछ बताए घर से निकला था। उसके बाद घर वाले उसके मोबाइल नंबर पर फोन करते रहे लेकिन फोन नहीं उठाया। रात को आठ बजे उसका मोबाइल बंद हो गया। परिवार के लोग रात उसकी तलाश करते रहे लेकिन वह नहीं मिला। सुबह नौ बजे उसके शव को गेहूं के खेत में पड़े होने की सूचना मिली। उसके शरीर पर गला, सीना, पेट पर कई गंभीर वार करने के साथ बाएं पैर के जांघ को काटने का प्रयास किया गया है। उसके शव पर केवल चड्ढी है। वस्त्र शव के बगल में पड़ा है। परिजनों ने बताया कि बीते वर्ष 2024 में बगल के खिरकिटा दीगर गांव के कुछ लोगों से विवाद हुआ था। वही लोग घटना में शामिल हो सकते हैं। उन लोगों के खिलाफ पुलिस को तहरीर भी दिए हैं। युवक स्नातक कर चुका था और इस समय सेना में भर्ती की तैयारी कर रहा था।

योग, यज्ञ, स्वच्छता और आत्मनिर्भरता से सबल होंगी महिलाएं–कामना पाण्डेय

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर हरि मैरेज हाल बस्ती में आयोजित कार्यक्रम में कामना पाण्डेय जिला प्रभारी महिला पतंजलि योग समिति बस्ती ने बताया कि योग, यज्ञ, स्वच्छता और आत्मनिर्भरता से महिलाएं सबल होंगी। सरोज त्रिपाठी महामंत्री भारत स्वाभिमान समिति बस्ती ने बताया कि महिलाओं को समर्थ बनाने के लिए संस्था बालिका विद्यालयों में योग शिविर आयोजित करेगी। इसके अलावा प्राकृतिक और घरेलू चिकित्सा में बालिकाओं और महिलाओं को दक्ष किया जाएगा।

इससे पूर्व सामूहिक योग और वैदिक यज्ञ कर महिलाओं को उत्तम स्वास्थ्य और स्वच्छता का संदेश दिया गया। इस अवसर पर सम्मिलित महिला योग साधकों एवं शिक्षिकाओं ने अपने अपने अनुभव साझा किए। इस अवसर पर किरन वर्मा मीडिया प्रभारी के नेतृत्व में चल रहे गीत, संगीत और योग प्रदर्शन का कार्यक्रम फूलों की होली में बदल गया। रश्मि गुप्ता तहसील प्रभारी ने अतिथियों को योग से निरोग होने का संदेश दिया। सभी लोगों ने सहभोज का आनंद लिया।

इस अवसर पर योग शिक्षिका बबली शर्मा, पुष्पा सिंह, आभा मिश्रा, अनुपम श्रीवास्तव, शालिनी श्रीवास्तव, मीरा सिंह, फूल, किरण वर्मा, अंजना, रंजना त्रिपाठी, शशि त्रिपाठी, गीता त्रिपाठी, वंदना त्रिपाठी, मोनिका, सीलम, सुधा, रागिनी गुप्ता, मधु जायसवाल, संजू, कसौधन सहित अनेक योग साधक और शिक्षिकाएं सम्मिलित रहीं।

दौड़, कब्बडी में विजेताओं को मिले पुरस्कार

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। नगर पंचायत इटवा स्थित कम्पोजिट विद्यालय अमौना में शनिवार को शारदा संगोष्ठी और वार्षिकोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सभासद राम अनुज उपाध्याय और राधेश्याम उपाध्याय ने मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्वलित कर की।

विद्यालय के प्रधानाध्यापक मो. इमरान ने कहा कि बच्चों को बेहतर मंच मिल सके, इसलिए समय–समय पर ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इससे बच्चों का सर्वांगीण विकास होता है। साथ ही विद्यालय में बच्चों का ठहराव और शत–प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित होता है।

कार्यक्रम में विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। इनमें दौड़, कब्बडी, लेखन, सांस्कृतिक कार्यक्रम, सामान्य ज्ञान और मेंहदी शामिल थीं। प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन करने वाले बच्चों को पुरस्कृत किया गया। विशेष रूप से स्कूल से बाहर के बच्चों और उनके माता–पिता को भी सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में सभासद राम अनुज उपाध्याय, जगदीश गौतम, राधेश्याम, सीताराम उपाध्याय, राम प्रकाश, अनीता देवी, निशा, रीतू मौर्या, विजय लक्ष्मी तिवारी, पवन कुमार सहित कई अभिभावक मौजूद रहे।

सामूहिक विवाह योजना का भव्य आयोजनः 165 जोड़ों का हुआ विवाह, प्रत्येक जोड़े को 35 हजार मिले

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत एक भव्य समारोह का आयोजन किया गया। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय के प्रांगण में आयोजित इस कार्यक्रम में कुल 165 जोड़ों का विवाह संपन्न हुआ।

इस कार्यक्रम में हिंदू समुदाय के 130, मुस्लिम समुदाय के 14 और बौद्ध धर्म के 21 जोड़ों ने विवाह बंधन में बंधे। हिंदू और बौद्ध जोड़ों का विवाह पंडितों द्वारा तथा मुस्लिम जोड़ों का निकाह मौलाना द्वारा कराया गया।

सांसद जगदम्बिका पाल ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की बधाई देते हुए कहा कि कन्यादान सबसे बड़ा दान है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देशन में गरीब परिवारों की बेटियों की शादी धूमधाम से कराई जा रही है।

जिलाधिकारी ने बताया कि प्रत्येक जोड़े को डीबीटी के माध्यम से 35,000 रुपए दिए जा रहे हैं। साथ ही 10,000 रुपए का सामान और बारात के स्वागत पर 6,000 रुपए खर्च किए गए हैं।

कार्यक्रम में विधायक कपिलवस्तु श्याम धनी राही, विधायक शोहरतगढ़ विनय वर्मा, भाजपा जिलाध्यक्ष कन्हैया पासवान, जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि उपेंद्र प्रताप सिंह और मुख्य विकास अधिकारी जयेन्द्र कुमार सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

टेंट हाउस में भीषण आग से महिला की मौत

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। आलापुर थाना क्षेत्र में एक दर्दनाक घटना सामने आई है। अखलासपुर गांव में स्थित एक टेंट हाउस में अचानक आग लग गई। इस हादसे में दुकान में मौजूद महिला बंदना चौहान की मौत हो गई टेंट हाउस के मालिक मिथलेश चौहान हैं।

दोपहर के समय अज्ञात कारणों से दुकान में आग लग गई। आग की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। ग्रामीणों ने आग बुझाने का प्रयास किया। लेकिन जब तक आग पर काबू पाया गया, तब तक दुकान में रखा लाखों का सामान जलकर राख हो चुका था।

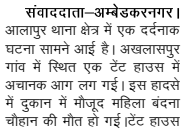

घटना की जानकारी मिलते ही एसडीएम सुभाष सिंह और डिप्टी एसपी आर बी सिंह मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने स्थिति का जायजा लिया और आवश्यक कार्रवाई की।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) महोदय खलीलाबाद बस्ती जिला–बस्ती
मूलवाद सं0–1171/2017
जय प्रकाश गुप्ता
बनाम
विनय कुमार आदि
1. विनय कुमार उम्र लगभग 50 वर्ष पुत्र काली प्रसाद निवासी ग्राम नरहरिया तप्पा पड़िया परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला–बस्ती पोस्ट पुरानी बस्ती

तारीख पेशी 05–05–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 05 माह 05 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कतहई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा दरख्वास्त हुसूल हुक्म मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश
(आर्डर 9 कायदा 9) (2)
अदालत–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद बस्ती जिला–बस्ती
प्रकीर्णवाद 128/2022
त्रिलोकी आदि
बनाम
किशोर आदि
1. किशोर उम्र 70 साल 2. विश्राम उर्फ मनोज कुमार पुत्रगण लखन निवासीगण ग्राम गोरयाभार तप्पा करीं परगना महुली पूरब तहसील खलीलाबाद जिला–संतकबीरनगर

तारीख पेशी 10–04–2025

हरगाह मुद्दई मजकूरुसदर ने इस अदालत में दरख्वास्त हुकूम मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश नाबूदा हस्ब हिदायत अदालत हाजा बतारीख माह सन ई0 पेश को है।

लिहाजा आपको इत्तिला दी जाती है कि आप इस अदालत में बतारीख 10 माह 04 सन 2025 या असालतन या बजरिये वकील अदालत हाजा या मुख्तार मजाज हस्ब जाप्ता और वाकिफ हाल मुकदमा में हाजिर होकर वजह (अगर कोई हो) जाहिर करें कि नाबूदां की दरख्वास्त क्यों न मन्जूर किया जाय।

मेरे दस्तखत और मुहर अदालत से आज बतारीख 06 माह 03 सन 2025 ई0 जारी किया गया।
द0 हाकिम

श्मशान की जमीन पर बने कॉलेज पर लगा 27 लाख का जुर्माना

संवाददाता–अयोध्या। अयोध्या के शिक्षा क्षेत्र तारुन के परशुराम स्मारक महाविद्यालय पर तहसील प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। श्मशान की जमीन पर अतिक्रमण के मामले में कॉलेज पर 27 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। तहसीलदार बीकापुर धर्मेंद्र सिंह ने बताया कि महाविद्यालय ने श्मशान की 135 एकड़ जमीन और रास्ते पर अतिक्रमण कर रखा है। धारा 67 के तहत जुर्माना लगाया गया है। जुर्माने की रिपोर्ट जिला अधिकारी को भेजी गई है। उनकी मंजूरी के बाद अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई होगी। शिकायतकर्ता अवधेश कुमार वर्मा ने 21 दिसंबर 2024 को मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रबंध तंत्र ने तहसील प्रशासन के अधिकारियों को गुमराह किया।

ग्रामवासियों के साथ क्षेत्रीय विधायक अभय सिंह से मिलकर जांच की मांग की गई। विधायक द्वारा विधानसभा में मामला उठाने के बाद जांच तेज हुई। और आनन–फानन में तहसील प्रशासन ने कार्यवाही करना शुरू कर दिया। महाविद्यालय के प्रबंधक प्रेम कुमार वर्मा का कहना है कि उन्होंने यह जमीन कानूनी तरीके से खरीदी है। वर्ष 2015 में सूर्य कली और चंद्रवती से 102 एकड़ जमीन का बैनामा किया। सितंबर 2017 में हीरालाल और छाब्बू देवी से 40 एयर जमीन खरीदी।

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0– 4939/23
धारा 134 उ0प्र0रा0संहिता2006
अदालत– श्रीमान उप जिलाधिकारी न्यायिक बांसी जिला–सिद्धार्थनगर
गणेश प्रसाद
बनाम
राजेश आदि
बावत मौजा करही तप्पा असनार परगना बांसी पूरब तहसील बांसी जिला–सिद्धार्थनगर
1. राजेश उम्र लगभग 40 वर्ष 2. निरंजन उम्र लगभग 38 वर्ष 3. घरलोटन उम्र लगभग 45 वर्ष 4. राजू उम्र लगभग 36 वर्ष पुत्रगण रामफेर साकिनान करही तप्पा असनार परगना बांसी पूरब तहसील बांसी जिला–सिद्धार्थनगर
–प्रतिवादीगण प्रथम पक्ष
5. ग्राम पंचायत करही द्वारा ग्राम प्रधान करही तप्पा असनार परगना बांसी पूरब तहसील बांसी जिला–सिद्धार्थनगर 6. सरकार उत्तर प्रदेश द्वारा जिलाधिकारी सिद्धार्थनगर
–प्रतिवादीगण द्वितीय पक्ष

तारीख पेशी 12–03–2025

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 12 माह 03 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कतई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

(हेतु सन्दर्शित करने की सूचना साधारण प्रारूप)
(आर्डर 5 कायदा 3)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0 295/2022
रामबरन
बनाम
तिलकराम आदि
1. तिलकराम उम्र लगभग 57 साल पुत्र साधू प्रसाद 2. रामू उम्र लगभग 37 साल 3. राकेश उम्र लगभग 35 साल पुत्रगण तिलकराम निवासीगण ग्राम जोकहा तप्पा रतनपुर परगना बस्ती पश्चिम तहसील हरैया जिला बस्ती

तारीख पेशी 29–03–2025

चूंकि उपरिनामांकित ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि अतएवं आपके एतद् द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इसे आदेश के खिलाफ हेतु सन्दर्शित करने के लिये 2025 के माह 03 के 29 दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्पर्क रूपेण अनुर्दिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा न करने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज सन 20 के माह के दिवस को निकाली गयी।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
मूलवाद सं0–456/2024
राजेन्द्र कुमार आदि
बनाम
रामजनम वर्मा आदि
1. रामजनम वर्मा आयु 35 वर्ष पुत्र स्व0 विश्वनाथ 2. कमला देवी आयु 60 वर्ष पत्नी स्व0 विश्वनाथ निवासीगण ग्राम मदनापुर तप्पा सिकन्दरपुर परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला बस्ती

तारीख पेशी 25–03–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 25 माह 03 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कतहई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
मूलवाद सं0–60/2023
पुरूषोत्तम
बनाम
ग्राम पंचायत अध्यक्ष आदि
1. राज्य सरकार उ0प्र0 द्वारा जिलाधिकारी बस्ती 2. ग्राम पंचायत अध्यक्ष ग्राम भदेश्वरनाथ तप्पा देवरांव परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 28–04–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 28 माह 04 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कतहई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
–द0 हाकिम

रामनवमी पर दोपहर ठीक 12:00 बजे सूर्य की किरणें करेंगी रामलला का अभिषेक

संवाददाता–अयोध्या। राम मंदिर भवन निर्माण समिति की बैठक में शामिल होने के लिए अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र अयोध्या पहुंच गए हैं। उन्होंने बताया कि इस बार फिर रामनवमी के दिन दोपहर ठीक 12:00 बजे रामलला के मस्तक पर सूर्य की किरणें अभिषेक करेंगी। इसकी तैयारी शुरू हो गई है।

नृपेंद्र ने बताया कि लक्ष्य के अनुरूप राम मंदिर का निर्माण पूरा करने में निर्माण समिति के सामने चुनौतियां कम नहीं हो रही हैं। महाकुंभ के बाद अब होली और रामनवमी सामने है। इस दौरान राम मंदिर में काम करने वाले मजदूर त्योहार मनाने अपने–अपने घर चले जाते हैं, जिससे निर्माण कार्य में बाधा पहुंचती है।

समिति अध्यक्ष ने बताया कि शनिवार को जयपुर से गोस्वामी तुलसी दास की मूर्ति अयोध्या पहुंच जाएगी। उम्मीद है कि रविवार को इसकी स्थापना भी हो जाए। राम मंदिर के शिखर का निर्माण भी तेजी से चल रहा है। इसमें 18 कड़ी बननी है। 18 में से 11 कड़ी बनकर तैयार हो गई है। मंदिर में चार लाख 50 हजार क्यूबिक पत्थर लग रहे हैं। इसमें अब सिर्फ 20 हजार क्यूबिक पत्थर लगने बाकी हैं।

उम्मीद की जा रही है कि 15 अप्रैल तक राम मंदिर का निर्माण पूरा हो जाएगा। राम मंदिर परिसर में लगने वाली सभी मूर्तियां चाहे वह सप्त मंदिर की हों या परकोटे की हों या फिर राम दरबार की, सभी मूर्तियां 30 अप्रैल तक राम मंदिर परिसर में पहुंच जाएंगी। 25 मार्च से 15 अप्रैल के बीच सभी मूर्तियां स्थापित भी कर दी जाएंगी। सप्त मंदिर के बीच बनने वाला जलाशय भी तीन माह में तैयार हो जाएगा।

अदालती नोटिस

इश्तहार मजरिया अदालत– श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
प्रकीर्णवाद सं0 36/2025
श्रीमती मधु सेठी –सायल
1. श्रीमती मधु सेठी उम्र लगभग 48 वर्ष पत्नी रंजन चावला मकान संख्या 348 सेक्टर 21ए चंडीगढ़ हाल मुकाम मकान संख्या 8 स्टेशन रोड सुर्तीहट्टा पुरानी बस्ती तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 27–03–2025

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा–372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम–1925
दरख्वास्त मुसम्मा
वास्ते हुसूल सर्टीफिकेट वसूल कर्जा व विकालत हाय दरख्वास्त मुसम्मा मुतवफ्फा अपने बमूजिब एक्ट 7 सन 1889 ई0 वकैद

हरगाह मुसम्मा ने दरख्वास्त हुसूल सर्टीफिकेट गुजरानी है और तारीख माह सन ई0 वास्ते समाअत दरख्वास्त के मुकर्रर हुई है। लिहाजा यह इश्तिहार जारी किया जाता है कि किसी को निस्बत के उज्र हो या असालतन या वकालतन वक्त 10 बजे सुबह अदालत सिविल जज (सी0डि0) बस्ती बतारीख पेशी 27–03–2025 मुकर्रर हाजिर होकर उज्र अपना पेश करें। दरसूरत इनकजाय तारीख मजकूर के फिर उज्र किसी का सुना न जायेगा और हुक्म मुनासिब निस्बत दरख्वास्त मजकूर के सादिर होगा।
अलमरकूम माह सन 20 ई0।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
मूलवाद सं0–759/2024
परमानन्द सिंह
बनाम
श्रीमती इन्द्रा तिवारी आदि
1. श्रीमती इन्द्रा तिवारी पत्नी शारदा प्रसाद त्रिपाठी साकिन हरनाखुर्द तप्पा गौर परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती 2. श्री चन्द्रेश त्रिपाठी पुत्र स्व0 हरानन्द त्रिपाठी निवासी बहिरडीह पो0 मझौवा तहसील मनकापुर जिला–गोण्डा

तारीख पेशी 07–04–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 07 माह 04 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कतहई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इश्तहार मजरिया अदालत– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
प्रकीर्णवाद सं0 41/2025
दिनेश कुमार–सायल
1. दिनेश कुमार उम्र करीब 38 वर्ष पुत्र राम कैलाश निवासी ग्राम मिश्रौलिया तप्पा मनवरपारा परगना नगर पश्चिम पोस्ट पदमापुर तहसील हर्रैया जिला बस्ती

तारीख पेशी 28–03–2025

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा–372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम–1925
दरख्वास्त मुसम्मा
वास्ते हुसूल सर्टीफिकेट वसूल कर्जा व विकालत हाय दरख्वास्त मुसम्मा मुतवफ्फा अपने बमूजिब एक्ट 7 सन 1889 ई0 वकैद

हरगाह मुसम्मा ने दरख्वास्त हुसूल सर्टीफिकेट गुजरानी है और तारीख माह सन ई0 वास्ते समाअत दरख्वास्त के मुकर्रर हुई है। लिहाजा यह इश्तिहार जारी किया जाता है कि किसी को निस्बत के उज्र हो या असालतन या वकालतन वक्त 10 बजे सुबह अदालत सिविल जज (जू0डि0) बस्ती बतारीख पेशी 28–03–2025 मुकर्रर हाजिर होकर उज्र अपना पेश करें। दरसूरत इनकजाय तारीख मजकूर के फिर उज्र किसी का सुना न जायेगा और हुक्म मुनासिब निस्बत दरख्वास्त मजकूर के सादिर होगा।
अलमरकूम माह सन 20 ई0।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान अष्टम् अति0 सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
मूलवाद सं0–1343/2020
बब्बन प्रसाद
बनाम
देवेन्द्र आदि
1. देवेन्द्र उम्र लगभग 52 वर्ष पुत्र रामचरित्तर 2. सरजू प्रसाद उम्र लगभग 49 वर्ष पुत्र स्वामीनाथ 3. राजेन्द्र प्रसाद उम्र लगभग 55 वर्ष 4. राजेश उम्र लगभग 52 वर्ष पुत्रगण जगन्नाथ निवासीगण ग्राम नटौवा तप्पा सिकन्दरपुर पो0 हियारुपुर लाला परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला–बस्ती (उ0प्र0)

तारीख पेशी 09–04–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 09 माह 04 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कतहई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
–द0 हाकिम

बंदिनियों को मिली काउंसलिंग, कानूनी अधिकारों की जानकारी

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर अम्बेडकरनगर जिला कारागार की महिला बैरक में ध्यंक्ष संस्था ने विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम की शुरुआत महिला जेल वॉर्डर कु. वंदना यादव के स्वागत गीत से हुई। इसके बाद बंदिनियों ने भी मनमोहक गीत प्रस्तुत किए।

मनोचिकित्सक डॉ. जे.के. वर्मा और डॉ. पंजतन ने महिलाओं की काउंसलिंग की। उन्होंने मैडिटेशन के जरिए बंदिनियों को मानसिक अवसाद से दूर करने का प्रयास किया। मोटिवेशनल स्पीकर डॉ. गीतिका वर्मा ने श्रजै राहें, नया सवेरा विषय पर कार्यक्रम किया। उन्होंने बंदिनियों को हर परिस्थिति में आगे बढ़ने की प्रेरणा दी।

डॉ. प्रतिमा दास ने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने के गुर सिखाए। पंख संस्था की अध्यक्ष ने कहा कि कोई इंसान एक गलती से नहीं, बल्कि उससे सीखने से परिभाषित होता है। संस्था के कोऑर्डिनेटर अथर्व मिश्रा ने बंदिनियों को उनके कानूनी अधिकारों से अवगत कराया।

जेल अधीक्षक शशिकांत मिश्रा ने पंख संस्था के संस्थापक मनप्रीत सिंह बग्गा का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम बंदिनियों को बेहतर भविष्य की ओर ले जाने में मददगार साबित होगा। कार्यक्रम में कारापाल संतोष कुमार, उपकारापाल सूर्यभान सरोज, तेजवीर सिंह, शिक्षाध्यापक शशांक यादव, नीलम वर्मा, कनिष्क सहायक विपिन कुमार, अनूप कुमार गोंड और महिला जेल स्टाफ मौजूद रहे।

दैनिक भारतीय बस्ती
संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com